



INS ACCREDITED

यूनिक्कॉम
एडवर्टाइजिंग

Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक्क समय

डीपीवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डॉक पेजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweet's

BY

MR

GROUP

Presents

Unique Samay Update

www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-229 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपये | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

669 गांवों की प्यास बुझाएगा गंगाजल, घर-घर पहुंचेगा शुद्ध पानी

आठ जोन में बंटेगी
जलापूर्ति व्यवस्था

214 टंकियों के क्लस्टर से
घरों तक पहुंचेगा शुद्ध पानी

दिसंबर 2027 तक योजना
पूरी करने का लक्ष्य

यूनिक्क समय, मथुरा। जिले के 669 गांवों में रहने वाले करीब 2.46 लाख परिवारों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की तैयारी तेज हो गई है। जल जीवन मिशन के तहत संचालित ग्रामीण पेयजल योजना में जलापूर्ति व्यवस्था को आठ



जोन में बांटा गया है। योजना के तहत आठ क्लस्टर वाटर रिजर्वयर (सीडब्ल्यूआर) और इंटरमीडिएट बूस्टर पंपिंग स्टेशन के माध्यम से पानी 214 पानी की टंकियों तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद पाइपलाइन के जरिए घर-

नियमित जलापूर्ति से
ग्रामीणों को मिलेगी राहत

जल निगम के अधिशासी अभियंता दिनेश कुमार ने बताया कि योजना के लिए लगातार फंडिंग प्राप्त हो रही है। शेष कार्य तेजी से पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। दिसंबर 2027 तक योजना पूरी करने का लक्ष्य है। आठ जोन में जलापूर्ति व्यवस्था विकसित होने से पानी को संबंधित टंकियों तक पहुंचाने और वहां से गांवों में वितरण करने में सुविधा होगी। योजना पूरी होने पर जिले के 669 गांवों के करीब 2.46 लाख घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंचने की उम्मीद है। इससे ग्रामीण परिवारों को घर पर ही पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ी राहत मिलेगी।

घर जलापूर्ति की जाएगी। योजना को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना के तहत बुलंदशहर स्थित अपर गंगा नहर की पालरा झाल से पानी लाकर उसका

शोधन किया जाएगा।

इसके लिए नौहड्डील क्षेत्र के बेरा गांव में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तैयार कराया जा रहा है। यहां पानी को शुद्ध करने के बाद क्लस्टर वाटर

बिछाई जा रही 55.7 किलोमीटर
लंबी पाइपलाइन

गंगा नहर से मथुरा के ग्रामीण क्षेत्रों तक पानी पहुंचाने के लिए करीब 55.7 किलोमीटर लंबी माइल्ड स्टील (एमएस) पाइपलाइन बिछाई जा रही है। मुख्य पाइपलाइन का व्यास करीब 2.20 मीटर है। योजना के तहत 214 पानी की टंकियों के क्लस्टर में काम चल रहा है। इसमें औसतन तीन गांवों को एक टंकी से जोड़कर पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था प्रस्तावित है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक करीब 25 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है और योजना का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। शेष कार्य को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रिजर्वयर में एकत्रित किया जाएगा। फिर आठ जोन में निर्धारित व्यवस्था के अनुसार बूस्टर पंपिंग स्टेशनों की मदद से संबंधित टंकियों तक पानी पहुंचाया जाएगा।

सरकार गौ संरक्षण पर रोज खर्च करती है 9.25 लाख

सड़कों पर फिर भी भटक रहा गोवंश

गोआश्रयों में संरक्षित हैं
करीब 18 हजार से
अधिक बेसहारा गोवंश

मुख्यमंत्री के ड्रीम
प्रोजेक्ट को जिले में नहीं
मिल पा रहा है सहारा

यूनिक्क समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट सड़क और आबादी के आसपास भटक रहा है। गोवंश संरक्षण के नाम पर गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश पर जिले में रोज करीब नौ लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद आगरा- दिल्ली हाइवे समेत प्रमुख सड़कों पर गोवंश खुले में विचरण करते दिखाई दे रहे हैं। सड़क पर बैठे और घूमते गोवंश तेज रफ्तार वाहनों के लिए खतरा बने हुए हैं। वर्तमान में ग्राम पंचायत, निकाय की ओर से संचालित गोशालाओं में करीब 18 हजार से अधिक गोवंश हैं। प्रत्येक गोवंश के लिए



प्रतिदिन 50 रुपये की व्यवस्था है, इसके बावजूद पशु सड़कों पर विचर रहे हैं।

जनपद में संचालित गोशालाओं में गोवंश के चारा-पानी, उपचार और संरक्षण के लिए शासन स्तर से प्रति गोवंश प्रतिदिन 50 रुपये दिए जाने का प्रावधान है। 18 हजार से अधिक गोवंश की क्षमता के हिसाब से यह राशि प्रतिदिन करीब 9.25 लाख रुपये बैठती है। गोशालाओं का उद्देश्य गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें सड़कों पर भटकने से रोकना भी है। इसके

बरसाना में सरकारी गोशाला नहीं

यूनिक्क समय, मथुरा। जिले में 13 नगर पंचायत, एक नगर पालिका और एक नगर निगम हैं। इनमें से बरसाना ऐसी नगर पंचायत है, जहां सरकारी गो आश्रय स्थल नहीं है। वैसे, जिले में सरकारी और धार्मिक गोशालाओं में करीब एक लाख से अधिक गोवंश संरक्षित हैं, जिन पर प्रतिदिन सरकारी खर्च 50 लाख बैठता है। धार्मिक लोगों की ओर से संचालित गोशालाओं में करीब 87 हजार से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। कुल मिलाकर संरक्षित गोवंश पर हर माह करीब 4.50 करोड़ रुपये जिले में खर्च हो रहे हैं।

“ पशुपालन विभाग का काम संरक्षित गोवंश का उपचार करना और शासन से अनुदान दिलाना है। बेसहारा गोवंश को संरक्षित करने का काम संबंधित ग्राम पंचायत और निकाय का है।

- एनएन शुक्ला, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी।

बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग पर गोवंश के खुले में विचरण की तस्वीरें व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। खासकर कोसी, मथुरा, फरह क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर गोवंश सड़क पर नजर आते हैं।

आगरा- दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सड़क पर अचानक गोवंश के आ

जाने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। रात के समय यह जोखिम और अधिक रहता है। गोवंश के सड़क पर पहुंचने से खुद उनके जीवन के साथ वाहन चालकों और यात्रियों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर ऐसे पशु बैठे नजर आते हैं। फरह में चौराहे पर रात आठ बजे बाद बेसहारा गोवंश का झुड़ सिस्टम पर सवाल उठता है।

दीपावली तक दुकानदारों को यूपीआई चार्ज से राहत

यूनिक्क समय, मथुरा। त्योहारी सीजन में खरीदारी और डिजिटल भुगतान को



देखते हुए मथुरा के दुकानदारों के लिए यह राहत की खबर है। नेशनल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के अनुसार, चुनिंदा व्यापारिक यूपीआई लेनदेन पर मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने का फैसला दिवाली तक टाल दिया गया है। पहले इसे 15 अक्टूबर से लागू किए जाने की चर्चा थी। अब यह शुल्क दिवाली के तुरंत बाद लागू होगा, लेकिन इसकी निश्चित तारीख की घोषणा अभी नहीं हुई है।

मथुरा के बाजारों में दीपावली के दौरान मिठाई, कपड़े, बर्तन, सजावटी सामान और पूजा सामग्री की खरीदारी बढ़ जाती है। ऐसे में दुकानदारों के लिए यूपीआई भुगतान पर शुल्क की समयसीमा बढ़ने से फिलहाल राहत बनी रहेगी। एनपीसीआई के अनुसार, दो हजार रुपये

दो हजार रुपये तक के लेन-देन पर शून्य शुल्क

बड़े भुगतानों पर एमडीआर का फैसला टला

तक के छोटे व्यापारिक यूपीआई लेनदेन पर शून्य एमडीआर का प्रावधान जारी रहेगा। ऐसे लेनदेन कुल व्यापारिक यूपीआई भुगतान की मात्रा के 95 प्रतिशत से अधिक हैं।

प्रस्तावित ढांचे के अनुसार, दो हजार रुपये से अधिक के सामान्य व्यापारिक यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत बेसलाइन एमडीआर निर्धारित किया गया है। 75 हजार रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर प्रति लेनदेन अधिकतम शुल्क 300 रुपये होगा। म्यूचुअल फंड, सिक्वोरिटीज और स्टॉक ब्रोकरों से जुड़े भुगतान पर 0.02 प्रतिशत एमडीआर, अधिकतम 300 रुपये, का प्रावधान बताया गया है। ऐसे में मथुरा के व्यापारियों को बड़े भुगतानों पर प्रस्तावित शुल्क की अंतिम तारीख और विस्तृत नियमों के आधिकारिक ऐलान का इंतजार रहेगा।

27 अक्टूबर को बेटियों के हाथ पीले करेगी सरकार

930 जोड़ों की बजेगी शहनाई, मिलेगी आर्थिक मदद

समाज कल्याण विभाग को
मिले करीब 400 आवेदन

दुल्हन के खाते में जाएंगे
60 हजार रुपये, सरकारी
दहेज में मिलेगा गृहस्थी
का सामान भी

यूनिक्क समय, मथुरा। आर्थिक तंगी के चलते बेटियों की शादी को लेकर चिंतित गरीब परिवारों के लिए राहत भरी खबर है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिले में 27 अक्टूबर को शहनाइयां गुंजेंगी और एक साथ दर्जनों जोड़े विवाह बंधन में बंधेंगे।



आयोजन के लिए तिथि तय कर दी गई है। समाज कल्याण विभाग को अब तक करीब 400 आवेदन मिल चुके हैं, जबकि जिले में 930 जोड़ों का विवाह कराने का लक्ष्य रखा गया है। आवेदन पत्रों का सत्यापन कर पात्र जोड़ों का चयन किया जाएगा।

समाज कल्याण विभाग के अनुसार, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रदेश सरकार ने प्रति

20 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

सीएम सामूहिक विवाह योजना के लिए पात्र परिवार 20 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। हार्ड कॉपी संबंधित ब्लाक या निकाय कार्यालय में जमा कराई जा सकती है। सभी पात्र परिवारों की बेटियों की शादी सामूहिक योजना में कराई जाएगी।

- डा. पूजा गुप्ता, सीडीओ।

जोड़े पर कुल 1.01 लाख रुपये खर्च करने की व्यवस्था की है। इसमें 60 हजार रुपये सीधे दुल्हन के बैंक खाते में भेजे जाएंगे। इसके अलावा 25 हजार रुपये की वैवाहिक उपहार सामग्री दी जाएगी। वहीं, 15 हजार रुपये विवाह समारोह के आयोजन, भोजन, पंडाल और अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च किए जाएंगे। इस तरह गरीब परिवारों को

बेटी की शादी के लिए आर्थिक मदद के साथ गृहस्थी बसाने में भी सहायता मिलेगी। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक कराना और शादी के लिए कर्ज लेने की मजबूरी कम करना है। पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले विभिन्न वर्गों के परिवार इसका लाभ ले सकते हैं। सामान्य तौर पर

परिवार की वार्षिक आय दो लाख रुपये तक होनी चाहिए। वधू की आयु कम से कम 18 वर्ष और वर की आयु 21 वर्ष होनी आवश्यक है। विधवा, परित्यक्ता और तलाकशुदा महिलाओं के पुनर्विवाह को भी योजना में शामिल किया जाता है।

विभागीय जानकारी के अनुसार, सामूहिक विवाह समारोह में जोड़ों का विवाह उनकी धार्मिक परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार कराया जाता है। प्रशासन और समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजन स्थल, भोजन, बैठने तथा विवाह संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाती हैं। पात्रता सत्यापन के बाद चयनित जोड़ों को समारोह में शामिल किया जाएगा।

अंदर के पेजों
की प्रमुख खबरें



रामलीला चंदे के
विवाद में दो सगे
कारोबारी भाइयों
समेत तीन की हत्या

पेज-10 पर



चाय पर जुटा विपक्ष,
राहुल गांधी ने नेताओं
को भेजा न्योता

पेज-11 पर



अग्रसेन जयंती पर
निकाली कलश
यात्रा, 41 महिलाओं
ने लिया भाग

पेज-12 पर

संभव जनसुनवाई में 16 शिकायतें दो का मौके पर हुआ निस्तारण



नगर निगम में शिकायतों की सुनवाई करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज, साथ हैं अपर नगर आयुक्त सुनीता सिंह, प्रियंका सिंह आदि।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने अधिकारियों को दिए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

भूतेश्वर जोन में 12 और वृंदावन जोन में चार शिकायतें मिलीं

यूनिक समय, मथुरा। नगर विकास मंत्री की पहल पर प्रत्येक मंगलवार आयोजित होने वाली 'संभव' संतुष्टि एवं समृद्धि जनसुनवाई के तहत मंगलवार को नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में जनशिकायतें सुनीं। वृंदावन जोन में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक और सिटी जोन के जनरल गंज कार्यालय में अवर अभियंता अजय कुमार ने जनसुनवाई की। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

भूतेश्वर जोन में कुल 12 शिकायतें मिलीं। इनमें अतिक्रमण की चार, जलकल विभाग की चार, लाइट की दो और सफाई की दो शिकायतें शामिल हैं। इनमें लाइट

जबरन शादी कराने की धमकी देने का आरोप

यूनिक समय, वृंदावन। बेटी को अगवा कर जबरन शादी कराने और विरोध करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। राधा निवास निवासी का कहना है कि उनकी पुत्री कक्षा 10 की छात्रा है। शिकायत में रितिक नाम के युवक पर आरोप लगाया गया है कि वह उनकी बेटी को परेशान करता है और उसे अगवा कर जबरन शादी करने की धमकी देता है।

जीएलए में इंटेल उन्नति प्रशिक्षण, डीप लर्निंग पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए यूनिवर्सिटी के ग्रेटर नोएडा कैंपस में पांच दिवसीय इंटेल उन्नति प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग के विद्यार्थियों और शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और जेनरेटिव एआई का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम में आधुनिक कंप्यूटिंग प्रणालियों की सहायता से एआई मॉडल विकसित करने, प्रशिक्षित करने और संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। विश्वविद्यालय की उन्नत एआई प्रयोगशाला और हार्ड-परफॉर्मंस कंप्यूटिंग सुविधा के माध्यम से प्रतिभागियों को

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर नगर आयुक्त सख्त

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम में आईजीआरएस (जनसुनवाई पोर्टल) पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने सभी विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अपनी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करे और कोई भी शिकायत डिफॉल्टर श्रेणी में नहीं पहुंचनी चाहिए।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समस्या का वास्तविक समाधान होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत का निस्तारण करने से

और सफाई से संबंधित एक-एक शिकायत का निस्तारण कर दिया गया। वहीं, वृंदावन जोन में निर्माण, अतिक्रमण, नजूल और जलकल विभाग से संबंधित एक-एक शिकायत प्राप्त हुई।

जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त सुनीता सिंह, प्रियंका सिंह, महाप्रबंधक जलकल मोहम्मद अनवर ख्वाजा,

अधिकारियों को दिए निर्देश डिफॉल्टर श्रेणी में नहीं जाए कोई शिकायत

शिकायतकर्ता से फोन पर लें समाधान की पुष्टि, नागरिकों की संतुष्टि पर जोर

पहले संबंधित शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता कर समाधान की पुष्टि करें, उसकी संतुष्टि तय करें। सभी बैठक में अपर नगर आयुक्त, अधिशासी अभियंता निर्माण, सहायक अभियंता जलकल, सहायक अभियंता निर्माण, प्रवर्तन दल प्रभारी कर्नल आर.के. सिंह आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल, पशु कल्याण अधिकारी संतोष पाल, कर निर्धारण अधिकारी अरविंद, प्रवर्तन दल प्रभारी कर्नल आरके सिंह और अवर अभियंता विद्युत/यांत्रिकी शैलेश सहित नगर निगम के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

डीएलएड परीक्षा में 164 अनुपस्थित, 963 ने दी परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा मंगलवार को डीएलएड (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) की परीक्षा आयोजित की गई। गणित, विज्ञान और सामाजिक अध्ययन के तीन प्रश्नपत्रों में कुल 1127 प्रशिक्षु पंजीकृत थे। इनमें से 963 प्रशिक्षुओं ने परीक्षा दी, जबकि 164 प्रशिक्षु अनुपस्थित रहे। परीक्षा के

दौरान गणित के चतुर्थ प्रश्नपत्र में सबसे अधिक प्रशिक्षु पंजीकृत रहे। इस प्रश्नपत्र के लिए कुल 719 प्रशिक्षु पंजीकृत थे, जिनमें से 636 परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 83 अनुपस्थित रहे।

वहीं, विज्ञान के तृतीय प्रश्नपत्र के लिए कुल 214 प्रशिक्षु पंजीकृत थे। इनमें से 171 प्रशिक्षुओं ने परीक्षा दी और 43

निर्माण कार्य में बाधा बनी अवैध सीढ़ियां और स्लैब ध्वस्त



राधेश्याम कालोनी में अवैध सीढ़ियां तोड़ती जेसीबी।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम की संभव जनसुनवाई में निर्माण में बाधा और अतिक्रमण की शिकायत पर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने तत्काल संज्ञान लिया। उनके निर्देश पर प्रवर्तन दल ने मौके पर पहुंचकर अवैध सीढ़ियों और

मामला वार्ड संख्या-12 स्थित राधेश्याम कॉलोनी का है। यहां मार्ग निर्माण के दौरान 10 परिवारों के घरों के सामने बनाई गई सीढ़ियों और स्लैब के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा था। इस संबंध में 'संभव' जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराकर अतिक्रमण हटवाने की मांग की गई थी।

अनुपस्थित रहे। इसी तरह सामाजिक अध्ययन के पंचम प्रश्नपत्र में कुल 194 प्रशिक्षु पंजीकृत थे। इनमें से 156 प्रशिक्षु परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 38 अनुपस्थित रहे। तीनों प्रश्नपत्रों के आंकड़ों के अनुसार, गणित में 83, विज्ञान में 43 और सामाजिक अध्ययन में 38 प्रशिक्षु अनुपस्थित रहे।

Aakash CIMS
Super Speciality Hospitals
मथुरा ब्रज में पहली बार
India's Most Advanced

CRRT

(निरन्तर किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी)
(Continuous Renal Replacement Therapy)

किडनी मरीजों का विश्वस्तरीय इलाज, आकाश सिम्स हॉस्पिटल में

डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार,
नेफ्रोलॉजी एवं इन्टरनल मेडिसिन विभाग
डॉ. आशीष शर्मा
MBBS, DNB, Fellow Nephrology, IIRIV Italy
वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ

CRRT के लाभ
BENEFITS OF CRRT
CRRT उन गंभीर मरीजों के लिए सबसे उपयुक्त है जिनकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया हो या जिनके शरीर से विषैले पदार्थ, अतिरिक्त पानी और विषैले तत्वों को हटाने के लिए निरन्तर उपचार की आवश्यकता होती है।
यह किस-किस स्थिति में मदद करता है?

- Uremia
- Fluid Overload
- Acidosis
- Electrolyte Imbalance
- Drug Poisoning
- Brain Injury
- Liver Failure
- Lung Failure
- Heart Failure
- Other end-organ dysfunction

Call Connect +91-9258113570, 9258113571
टीपीए, हेल्थ इंश्योरेंस एवं बीमा कम्पनियाँ द्वारा कैंशलेस इलाज उपलब्ध
आकाश सिम्स हॉस्पिटल, निकट राधावेली, एन.एच.19, मथुरा

सूरदास ब्रज भाषा अकादमी में हुई विचार और काव्य गोष्ठी

यूनिक समय, मथुरा। पारसोली स्थित सूरदास ब्रज भाषा अकादमी में अष्टछाप कवि कृष्णदास की जयंती पर विचार-काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें ब्रज भाषा के विद्वानों और रचनाकारों ने कृष्णदास जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और भक्ति साहित्य में उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव पांडेय और ब्रज भाषा के प्रमुख रचनाकार राधा गोविन्द पाठक ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। अकादमी के निदेशक डॉ. केशव देव शर्मा ने अतिथियों का उत्तरीय पहनाकर स्वागत किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि कृष्णदास जैसे कृष्णभक्त कवियों का जीवन और साहित्य शताब्दियों बाद भी ब्रजवासियों के साथ-साथ समूचे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। गोपाल उपाध्याय ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर पूर्ण प्रकाश कौशिक, देवी प्रसाद गौड़, केसी गौर, रेनु उपाध्याय, मोहन माही, महेश चन्द्र शर्मा, हरे कृष्ण शर्मा, डॉ. नंद किशोर शास्त्री, अमर सिंह द्वितीय, श्याम बाबू कौशिक, मोहित मनोहर, सतीश एकांत, शिल्पी केशोरैया और कीर्ति शर्मा सहित अन्य साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त किए।

शेरगढ़ में कल 150 किसानों को मिलेगी डीएपी खाद

यूनिक समय, शेरगढ़। किसानों की खाद संबंधी समस्या को देखते हुए बुधवार को क्षेत्रीय सहकारी संघ पर डीएपी खाद का वितरण किया जाएगा। वितरण के लिए नियम बनाए गए हैं। इसके तहत 150 किसानों को कुल 450 बैग डीएपी खाद वितरित की जाएगी। खाद के टोकन लेने के लिए सुबह नौ बजे से थाना शेरगढ़ के बाहर लाइन लगवाई जाएगी।

क्षेत्रीय सहकारी संघ के डायरेक्टर एवं भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष जनक गुर्जर ने बताया कि प्रत्येक किसान को फार्मर आईडी के आधार पर अधिकतम तीन बैग डीएपी खाद दी जाएगी। इसके साथ नैनो खाद की एक बोतल भी दी जाएगी। किसानों को सत्यापन के लिए आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा। अंगूठे का निशान नहीं लगाने पर अंतिम विकल्प के रूप में ओटीपी से सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खाद का वितरण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा। खाद क्षेत्र के किसानों को फोटो लगी प्रमाणित खतौनी की प्रति भी साथ लानी होगी। 30 तारीख को खाद ले चुके किसानों को इस बार वितरण में शामिल नहीं किया जाएगा। उन्हें 14 अक्टूबर के बाद आने वाली खाद में शामिल किया जाएगा।

वृंदावन में युवक पर चाकू से हमला करने का आरोप

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली क्षेत्र में चाकू से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में जीतू निवासी चामुंडा कॉलोनी, गोविंद नगर ने बताया कि 9 अक्टूबर की रात करीब नौ बजे वह अपने गांव के संजु पंडित और परिचित राजकुमार के साथ रक्मिणी विहार में बैठे थे। आरोप है कि बातचीत के दौरान कालू अचानक उठा और चाकू लेकर आया। उसने जीतू की गर्दन के पीछे वार कर दिया। जब उसे पकड़ने का प्रयास किया गया तो आरोपी गाली-गलौज करते हुए दोबारा मिलने पर जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गया। घटना को राजकुमार की पत्नी बबोता, आशीष और बबोता के भाई मोदी ने अंजाम दिलवाया है।

सीएम योगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ग्राम प्रहरियों को किया संबोधित

परियोजनाओं और प्रयोगों के माध्यम से प्रतिभागियों ने एआई मॉडल के विकास और प्रशिक्षण की प्रक्रिया को समझा। कार्यक्रम का समन्वय असिस्टेंट प्रोफेसर गीता एम और कंप्यूटर इंजीनियरिंग एंड एप्लीकेशन विभाग के तकनीकी प्रशिक्षक निर्भय गुप्ता ने किया।

प्रतिकूलपति प्रो. दिवाकर भारद्वाज ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हार्ड-परफॉर्मंस कंप्यूटिंग आधुनिक तकनीकी विकास के महत्वपूर्ण आधार हैं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों और शिक्षकों को नवीन तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान देते हैं। इससे विद्यार्थी जटिल समस्याओं के समाधान विकसित करने में सक्षम होंगे और विश्वविद्यालय में एआई अनुसंधान, तकनीकी दक्षता तथा उद्योगोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस लाइन स्थित सभागार में ग्राम प्रहरियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्राम प्रहरियों को संबोधित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

समारोह में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्राम प्रहरियों को आमंत्रित किया गया। कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने भी ग्राम प्रहरियों को संबोधित करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर एसएसपी श्लोक कुमार, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।



जीएलए यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा कैंपस में पांच दिवसीय इंटेल उन्नति प्रशिक्षण कार्यक्रम म छात्रों के साथ कैंपस के पदाधिकारीगण ।

जटिल तकनीकी प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव मिला। प्रयोगशाला में उच्च क्षमता वाले इंटेल प्रोसेसर, 256 जीबी रैम, हार्ड-स्पीड स्टोरेज और 96 जीबी मेमोरी वाले एनवीडिया आरटीएक्स प्रो 6000 ब्लैकवेल जीपीयू सर्वर की सुविधा उपलब्ध है। प्रशिक्षण के दौरान

सुपरवाइज्ड-अनसुपरवाइज्ड लर्निंग, रीग्रेशन, क्लासिफिकेशन, मॉडल मूल्यांकन, ऑप्टिमाइजेशन और क्लस्टरिंग जैसे विषयों की जानकारी दी गई। डीप लर्निंग सत्रों में आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क, कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क, ट्रांसफर लर्निंग, मेडिकल इमेज

क्लासिफिकेशन और मॉडल क्वांटाइजेशन पर अभ्यास कराया गया।

इसके अलावा नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और जेनरेटिव एआई के अंतर्गत ट्रांसफॉर्मर्स, अटेंशन मैकेनिज्म, लैंग्वेज मॉडल, जीपीटी फाइन-ट्यूनिंग और टेक्स्ट समराइजेशन की जानकारी दी गई।

तीन साल बाद फिर तेज हुई गौरा की तलाश

जंक्शन से चोरी हुई थी बच्ची डीएनए जांच से होगी पहचान

कोटा के बाल शिशुगृह में आवासित बच्ची के गौरा होने का शक

यूनिक समय, मथुरा। करीब तीन वर्ष पूर्व मथुरा जंक्शन से चोरी हुई ढाई वर्षीय गौरा की तलाश फिर तेज हो गई है। राजस्थान के कोटा स्थित राजकीय बाल शिशुगृह में रह रही करीब पांच वर्षीय बच्ची के गौरा होने का संदेह है। मथुरा जीआरपी ने उसकी पहचान की पुष्टि के लिए डीएनए जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि बच्ची गौरा है या नहीं। बेटे की तलाश में जुटी मां को एक बार फिर उसके मिलने की उम्मीद जगी है।

हरिद्वार निवासी फूलवती की ढाई वर्षीय बेटे गौरा सात जनवरी 2023



गौरा का फाइल फोटो

की रात मथुरा जंक्शन के मुख्य प्रवेश द्वार के सर्कुलेंटिंग एरिया में सीढ़ियों के पास मां के साथ सो रही थी। इसी दौरान कोई व्यक्ति उसे चोरी कर ले गया। आठ जनवरी को जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। तभी से बच्ची की तलाश की जा रही है।

कोटा में मिली बच्ची से जगी उम्मीद

जीआरपी के एसएसआई ललित कुमार भाटी के अनुसार, कोटा के राजकीय बाल शिशुगृह में रह रही करीब पांच वर्षीय बच्ची के गौरा होने का संदेह है। बच्ची का डीएनए परीक्षण कराया जा रहा है, जबकि उसकी मां का डीएनए पहले ही लिया जा चुका है। राजस्थान पुलिस ने बच्ची को वर्ष 2025 के अंत में बचाया था। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही उसकी वास्तविक पहचान स्पष्ट हो सकेगी।

जीआरपी ने 10 अक्टूबर 2023

को भिखारियों के एक गिरोह के पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मिली बच्ची को गौरा बताया था। गिरफ्तार आरोपियों में तिलकराम उर्फ अतुल पांडेय, आरिफ उर्फ तोतला, तुलसी उर्फ तुलिया पवार, काजल और हिना चौहान शामिल थे। पुलिस ने सभी को जेल भेज दिया था, जबकि बरामद बच्ची को मथुरा के राजकीय बाल शिशुगृह में आवासित

कराया गया था। बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची का डीएनए परीक्षण कराया गया। नवंबर 2024 में रिपोर्ट आने पर खुलासा हुआ कि बरामद बच्ची गौरा नहीं थी। उसका डीएनए जेल में बंद हिना चौहान से मेल खा गया था। इसके बाद मामले में निरुद्ध सभी पांच लोगों को रिहा कर दिया गया। जीआरपी के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गौरा की तलाश दोबारा शुरू की गई।

मंदिर की संपत्ति पर कब्जे का आरोप, कार्रवाई की मांग



मंगलवार को डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करते सैनी समाज के लोग।

यूनिक समय, मथुरा। मंदिर की संपत्ति पर अवैध कब्जे की कोशिश का मामला सामने आया है। थाना गोविंद नगर क्षेत्र के किशोरी नगर स्थित हनुमानगढ़ी टीले के प्राचीन हनुमान मंदिर की मूर्ति क्षतिग्रस्त करने और चोरी का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में सैनी समाज के लोगों ने संतोष सैनी के नेतृत्व में डीएम- एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि मनीष चतुर्वेदी और कुछ अज्ञात लोगों ने कथित रूप से गिरोह बनाकर मंदिर की मूर्ति को क्षतिग्रस्त किया और चोरी करने का प्रयास किया। साथ ही फर्जी पट्टा तैयार कर मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश की गई। ज्ञापन के माध्यम से आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और शिकायतकर्ताओं की जान-माल की सुरक्षा ने की मांग की गई।

अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही ने कहा कि मंदिरों की संपत्ति पर कब्जे और मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं।

ज्ञापन देने पहुंचे लोगों ने नारेबाजी कर विरोध जताया। प्रशासन की ओर से जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

प्रदर्शन के दौरान रमेश चंद सैनी, राजकुमार, नवरत्न, श्यामलाल, हरि सिंह, सुखदेव, दोजी, बाबा गोखले सैनी, किशन सैनी, अनु सैनी, लीला

हनुमानगढ़ी टीले पर मूर्ति क्षतिग्रस्त करने और फर्जी पट्टे से कब्जे की कोशिश का आरोप

सैनी समाज ने डीएम एसएसपी को सौंपा ज्ञापन जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन

सैनी, चंदन सिंह पाल, आशु सैनी, ओम प्रकाश सैनी, आशीष सैनी, संतोष सैनी, दीपक सैनी, कृष्ण सैनी, हर प्रसाद, श्याम सुंदर सैनी, हरगोविंद सैनी, भूपेंद्र सैनी और बबलू सैनी सहित अन्य क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जंतर-मंतर प्रदर्शन में जाने से रोका, घर में नजरबंद



पुलिस हिरासत में सपा नेता।

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी के नेता और बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के पूर्व महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्हें नौ अक्टूबर से उनके ही घर में हाउस अरेस्ट कर दिया गया है। कहा कि गरीब, मजलूम, पिछड़े और दलित समाज की आवाज को बुलंद करने के लिए वह दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले शांतिपूर्ण

प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे थे, तभी सदर पुलिस ने उन्हें घर में ही नजरबंद कर दिया।

यह लोकतंत्र की हत्या, संविधान पर हमला है। यह हाउस अरेस्ट नहीं, यह भाजपा सरकार की बौखलाहट है। यह हमें रोकने की नहीं, बहुजन की आवाज को दबाने की साजिश है, जेल, लाठी, नजरबंदी से समाजवादी डरते नहीं हैं।

अवैध कॉलोनी पर चला एमवीडीए का बुलडोजर, निर्माण ध्वस्त



बाद क्षेत्र में अवैध कॉलोनी को ध्वस्त करती एमवीडीए की जेसीबी।

यूनिक समय, मथुरा। जिले में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) का अभियान जारी है। मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर नीयर बाद पुल के पास विकसित की जा रही अनधिकृत कॉलोनी में बुलडोजर चलाया गया। प्रवर्तन टीम ने मौके पर बनी बाउंड्रीवॉल, सड़क और एक निर्मित भवन को ध्वस्त करा दिया।

प्राधिकरण की जानकारी के अनुसार, सेक्टर-05 के अंतर्गत रामजी लाल मिश्री द्वारा राधारानी ढाबा और एमआरएफ टायर शोरूम के बगल में करीब तीन बीघा जमीन पर बिना स्वीकृति कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इस मामले में जमीन स्वामी के खिलाफ 27 सितंबर 2024 को ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया गया था।

प्राधिकरण इससे पहले भी तीन दिसंबर 2024 और 26 मई 2026 को उक्त कॉलोनी में ध्वस्तीकरण की

बाद पुल के पास तीन बीघा जमीन पर हो रहा था अवैध विकास

पहले भी दो बार हो चुकी थी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

कार्रवाई कर चुका था। इसके बावजूद विकासकर्ता द्वारा दोबारा कॉलोनी का विस्तार कर आंतरिक विकास कार्य कराए जाने की जानकारी मिली। इस पर मंगलवार को प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माणों को ध्वस्त कराया। कार्रवाई एमवीडीए उपाध्यक्ष एन लक्ष्मी के निर्देशन और सचिव आशीष कुमार के नेतृत्व में प्रवर्तन दल ने की। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृति विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेण्टर

निःशुल्क कैंप

दिनांक:- 11 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2026

फ्री जनरल वार्ड में **फ्री**
भर्ती होने पर

- बैड चार्ज फ्री, जांचें फ्री, खाना फ्री
- अल्ट्रासाउंड फ्री, एक्सरे फ्री, ईसीजी फ्री
- MRI एवं CT Scan पर 50%* तक की छूट।

उच्च प्रशिक्षित डॉक्टरों द्वारा सम्पूर्ण रोगों का इलाज

ओ.पी.डी. फ्री प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे

- हृदय रोग विभाग
- जन्तु रोग मेडीसिन
- न्यूरो फिजिशियन
- नेफ्रोलॉजी विभाग
- जन्तु रोग सर्जरी

- न्यूरो सर्जरी, यूरो सर्जरी
- कार्डियोथोरेसिक एण्ड वैस्कुलर सर्जरी
- गेस्ट्रोसर्जरी, गैस्ट्रोएंटेरोलोजी
- डेंटल, मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

- हड्डीरोग विभाग
- गर्भावस्था, प्रसव, यौन स्वास्थ्य
- टीबी (क्षयरोग)
- बाल एवं नवजात शिशु चिकित्सा सर्जरी

- नेत्र रोग
- चर्म रोग
- मातृसिक रोग
- नाक, कान, गला रोग

९ अकबरपुर, छाता, मथुरा | हैल्पलाइन नं. 7055400400, 7088105741

मथुरा जंक्शन के वेटिंग हॉल में आराम भी नहीं होगा मुफ्त

एक घंटे के देने होंगे 10 रुपये, रेलवे ने निजी कंपनी को दिया ठेका

टिकट दिखाने पर मिलेगी प्रवेश की अनुमति, यात्रियों की जेब पर बढ़ेगा बोझ

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते हुए वेटिंग हॉल में आराम करना अब यात्रियों को मुफ्त नहीं पड़ेगा। रेलवे ने वेटिंग हॉल में बैठने और आराम करने के लिए प्रति घंटे 10 रुपये शुल्क निर्धारित किया है। इसके संचालन और व्यवस्था की जिम्मेदारी निजी कंपनी को ठेके पर दी गई है। नई व्यवस्था लागू होने से ट्रेन का इंतजार करने वाले यात्रियों को अब आराम करने के लिए भी जेब ढीली करनी होगी।

धार्मिक नगरी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों से सफर करते हैं।



टिकट दिखाने पर मिलेगा प्रवेश

जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या एक पर प्रथम श्रेणी और स्लीपर श्रेणी के दो वेटिंग हॉल बने हैं। महिला यात्रियों के लिए अलग वेटिंग हॉल की व्यवस्था है। नई व्यवस्था के तहत यात्रा टिकट दिखाने के बाद ही यात्रियों को प्रवेश मिलेगा। पहले वेटिंग हॉल में यात्रियों का सामान चोरी होने की शिकायतें भी सामने आती थीं। नई व्यवस्था से निगरानी बेहतर होने और ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भी यहां

बुजुर्गों, बच्चों के साथ सफर करने वालों पर असर
लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए वेटिंग हॉल में कुछ समय आराम करना सुविधाजनक रहता है। परिवार के साथ यात्रा करने वाले लोगों, बुजुर्गों और बच्चों को ट्रेन का इंतजार करते समय यहां रहत मिलती है। शुल्क लागू होने से ऐसे यात्रियों का खर्च बढ़ेगा। एक घंटे से अधिक रुकने पर यात्रियों को दोबारा 10 रुपये देकर दूसरी पर्ची कटवानी होगी।

कुर्सियां आरामदायक कैटीन की सुविधा भी

वेटिंग हॉल का ठेका निजी कंपनी को दिए जाने के बाद वहां यात्रियों की सुविधाओं में सुधार किया गया है। हॉल में कुर्सियों को आरामदायक बनाया गया है। साथ ही कैटीन भी खोली गई है, जहां यात्री खानपान की वस्तुएं खरीद सकते हैं। इससे यात्रियों को खाने-पीने का सामान लेने के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी।

अच्छी खासी संख्या रहती है। ट्रेन के विलंब से चलने या कनेक्टिंग ट्रेन का इंतजार करने के कारण यात्रियों को कई बार स्टेशन पर घंटों रुकना पड़ता है। ऐसे में वेटिंग हॉल उनके लिए

एक घंटे के लिए 10 रुपये शुल्क

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि वेटिंग हॉल में शुल्क आधारित व्यवस्था लागू कर दी गई है। यात्री टिकट दिखाकर 10 रुपये की पर्ची कटवाने के बाद एक घंटे तक आराम कर सकते हैं। यहां खानपान की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे यात्रियों को जरूरी सामान के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

आराम करने का प्रमुख स्थान होता है।

अब इस सुविधा का लाभ लेने के लिए यात्रियों को निर्धारित शुल्क चुकाना होगा।

पुलिस ने हत्या मामले में दो अभियुक्त किए गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता पुलिस ने गांव आजनौठी में जमीन के विवाद में हुई हत्या के मामले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 13 दिन पूर्व आजनौठा गांव में दो पक्षों के बीच एक जमीन को लेकर हुए झगड़ा हुआ था। मोहन श्याम के भाई ने बिना जमीन का बटवारा किए जमीन बेच दी थी। विरोध करने पर मारपीट हुई थी, जिसमें पांच लोग घायल हुए थे। मोहनश्याम के चाचा मनोहर का इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान मनोहर की मौत हो गई। मामला पुलिस ने हत्या के प्रयास को हत्या में बदल दिया। पुलिस ने हत्या के मामले में अभियुक्त देवी सिंह और चौखे लाल को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त लाठी-डंडे बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

बिजली चोरों पर शिकंजा, नहीं थम रही चोरी

यूनिक समय, मथुरा। जिले में बिजली चोरी रोकने के लिए बिजली विभाग लगातार अभियान चला रहा है। छापेमारी से लेकर एफआईआर दर्ज कराने तक की कार्रवाई की जा रही है, लेकिन बिजली चोरी का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। विभाग की सख्ती के बाद भी बिजली चोर अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं।

हालात यह है कि चालू वर्ष में अब तक करीब 1370 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी हैं। इसके बावजूद बिजली चोरी पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पा रही है। एक जनवरी से 12 अक्टूबर तक जिले में बिजली चोरी के मामलों में करीब 1370 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। विभाग की ओर से बिजली चोरी पकड़ने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। टीमों द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों



में जांच कर बिजली कनेक्शनों की पड़ताल की जाती है। अनियमितता मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाती है। इसके बावजूद चोरी के मामले सामने आना विभाग के लिए चुनौती बना हुआ है।

बिजली चोरी के कारण विभाग को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसमें बिजली चोरों ने करीब छह मेगावाट बिजली की चोरी की है। यह आंकड़ा बिजली चोरी की समस्या की गंभीरता को दर्शा रहा है। बिजली चोरी का सीधा असर

12 अक्टूबर तक करीब 1370 लोगों के खिलाफ एफआईआर

बेखौफ होकर बिजली चोरी करने से विभाग को लग रहा लाखों का झटका

बिजली व्यवस्था और विभाग की आय पर पड़ रहा है।

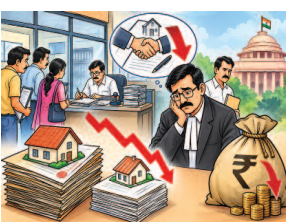
मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने बताया कि बिजली चोरी रोकने के लिए अभियान चलाकर बिजली चोरों के खिलाफ बॉडी में कैमरा लगाकर चेकिंग की जाती है। जो भी अवैध चला रहे बिजली चोरो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

दस्तावेज लेखकों की हड़ताल से रजिस्ट्री कारोबार को झटका

छह माह में 5603 बैनामे घटे, सरकारी राजस्व में 26.06 करोड़ की कमी

ऑनलाइन प्रक्रिया के विरोध और एक माह से अधिक चली हड़ताल का असर

यूनिक समय, मथुरा। दस्तावेज लेखकों और अधिवक्ताओं के विरोध का असर जिले के रजिस्ट्री कारोबार पर दिखाई दिया है। चालू वित्तीय वर्ष के शुरुआती छह महीनों में जमीन और मकानों की खरीद-फरोख्त से जुड़े बैनामों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। अप्रैल से सितंबर तक पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि के



मुकाबले 5603 बैनामे कम हुए। इसका असर सरकारी खजाने पर भी पड़ा और स्टॉप-पंजीकरण से मिलने वाले राजस्व में 26.06 करोड़ रुपये की कमी आई। सहायक महानिरीक्षक निबंधन एवं सहायक आयुक्त स्टॉप निर्मल सिंह ने बताया कि जिले के सभी रजिस्ट्री कार्यालयों में चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से सितंबर तक कुल 46,021 बैनामे पंजीकृत हुए। इसके विपरीत पिछले वित्तीय वर्ष की समान

ऑनलाइन प्रक्रिया के विरोध से प्रभावित हुआ काम

सरकार ने रजिस्ट्री प्रक्रिया में बदलाव करते हुए दस्तावेज लेखकों की भूमिका समाप्त कर प्रक्रिया को ऑनलाइन करने की व्यवस्था लागू की थी। इसके विरोध में दस्तावेज लेखकों और अधिवक्ताओं ने आंदोलन शुरू कर दिया। एक माह से अधिक समय तक चले विरोध और हड़ताल के कारण जिले के विभिन्न रजिस्ट्री कार्यालयों में बैनामे कराने का काम प्रभावित हुआ। रजिस्ट्री प्रक्रिया में व्यवधान के चलते संपत्तियों के पंजीकरण की रफ्तार धीमी रही। आंकड़ों में दर्ज गिरावट के बीच ऑनलाइन व्यवस्था के विरोध और हड़ताल को कारोबार प्रभावित होने का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

अवधि में 51,624 बैनामे दर्ज किए गए थे। इस प्रकार छह महीने में पंजीकरण की संख्या में 5603 की गिरावट आई है।

बैनामों की संख्या घटने के साथ सरकार को मिलने वाले राजस्व में भी कमी आई है। पिछले वित्तीय वर्ष की

अप्रैल से सितंबर अवधि में पंजीकरण से 472.77 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था, जबकि चालू वित्तीय वर्ष में सितंबर तक 446.71 करोड़ रुपये की आय हुई। दोनों अवधियों की तुलना में राजस्व 26.06 करोड़ रुपये कम रहा।



आटवी की छात्रा तनीशा बनी एक दिन की बीएसए



एक दिन की बीएसए बनी तनीशा का स्वागत करते शिक्षा अधिकारी और कर्मचारी।

यूनिक समय, मथुरा। बेटियों को बड़े सपने देखने और नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने के लिए प्रेरित करने की पहल के तहत मिशन शक्ति अभियान में उच्च प्राथमिक विद्यालय धौली प्याऊ की कक्षा आठ की मेधावी छात्रा तनीशा को एक दिन की बीएसए बनाया गया। बीएसए की कुर्सी पर बैठकर तनीशा ने विभागीय कामकाज को करीब से समझा और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की जानकारी हासिल की।

एक दिन की बीएसए बनकर कार्यालय पहुंची तनीशा का शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने बीएसए की कुर्सी संभाली। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग किस तरह विद्यालयों के संचालन, शैक्षिक गतिविधियों और

बीएसए की कुर्सी पर बैठ समझा विभागीय कामकाज, बढ़ा आत्मविश्वास

प्रशासनिक कार्यों की निगरानी करता है। इस अनुभव ने छात्रा को भविष्य में बड़े पदों पर पहुंचने और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना है। इसी के तहत छात्राओं को प्रशासनिक व्यवस्था से परिचित कराने और उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए यह पहल की गई।

रसूलपुर में मकान से छह लाख के जेवरात चोरी

यूनिक समय, सौख। थाना मगोर क्षेत्र के रसूलपुर गांव में सोमवार देर रात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाकर करीब छह लाख रुपये के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। चोर छत के रास्ते मकान में घुसे और कमरों के कुंदे उखाड़कर अलमारियों के लॉकर तोड़ दिए। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी होने पर परिवार में खलबली मच गई। पुलिस के साथ फोरेंसिक और डॉग स्क्वाड टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

जानकारी के अनुसार, रसूलपुर निवासी दीवान सिंह पुत्र बने सिंह के परिवार की महिलाएं और अन्य सदस्य सोमवार को राजस्थान स्थित खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने गए थे। दीवान सिंह शाम करीब साढ़े सात बजे मकान पर ताला लगाकर नोहरे में सोने चले गए। इसी दौरान देर रात अज्ञात चोर छत के रास्ते सीढ़ियों से मकान में दाखिल हो गए। चोरों ने कमरों के कुंदे उखाड़कर दोनों अलमारियों के लॉकर तोड़ दिए और उनमें रखे सोने-चांदी के आभूषण, करीब 75 हजार रुपये नकद

अलमारियों के लॉकर तोड़कर नकदी और आभूषण ले गए चोर

खाटू श्याम दर्शन को गया था परिवार, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

चोरी कर लिए।

मंगलवार सुबह दीवान सिंह नोहरे से घर पहुंचे तो अंदर सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों के लॉकर टूटे हुए थे। यह दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। दीवान सिंह और उनके भाई गीतम सिंह एक ही मकान में रहते हैं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, जबकि फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। डॉग स्क्वाड की मदद से भी जांच की गई। थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि रसूलपुर के एक मकान में ताले तोड़कर आभूषण और नकदी चोरी किए जाने की सूचना मिली है। जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अग्रसेन जयंती शोभायात्रा में भक्ति और उल्लास से झूमे अग्रबंधु

घोड़ों पर सवार होकर चले
18 राजकुमार, बैडबाजों की
धुन पर गूँजे जयकारे

प्रमुख मार्गों से होकर भजनों
के साथ मोर भवन पहुंची
शोभायात्रा

यूनिक समय, वृंदावन। महाराजा अग्रसेन जयंती पर सोमवार शाम नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। घोड़ों पर सवार 18 राजकुमार, बग्गी में विराजित महाराजा अग्रसेन का चित्रपट और बैडबाजों पर गूँजते भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जगह-जगह वृंदावनवासियों ने आरती उतारकर शोभायात्रा का स्वागत किया और अग्रबंधुओं पर स्नेह बरसाया। गोपीनाथ बाजार में महाराजा अग्रसेन के पूजन और आरती के साथ शोभायात्रा शुरू हुई।



वृंदावन में निकली महाराजा अग्रसेन शोभायात्रा में अग्र बंधुओं की ओर से जीएलए विवि के कुलाधिपति को सम्मानित कर चांदी का मुकुट पहनाया, तलवार भेंट की। तलवार दिखाते नारायणदास अग्रवाल।

इसमें भगवान गणेश का डोला, मां कैलादेवी, कुलदेवी मां महालक्ष्मी, राधा-कृष्ण की झांकी और महाराजा अग्रसेन की पत्नी नागकन्या माध्वी की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। अग्रसमाज की बालिकाएं डांडिया नृत्य करती हुई चल रही थीं। अंतरराज्यीय ब्रास बैंड, नफीरी

और बैडबाजों की धुन पर अग्रबंधु नाचते-गाते और जयकारे लगाते रहे।

गोपीनाथ बाजार से शुरू हुई शोभायात्रा रंगी मंदिर मार्केट, नगर निगम चौराहा, अनाज मंडी, पुराना बजाजा, भट्टर भवन, सीएफसी चौराहा, प्रताप बाजार, रेतिया बाजार, लोई



शोभायात्रा के दौरान घोड़ों पर सवार राजकुमार।

बाजार, बनखंडी महादेव, अठखंभा और बांकेबिहारी मंदिर मार्ग से होते हुए मोर भवन पहुंची। इस अवसर पर जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल, संरक्षक नरेंद्र अग्रवाल गयावाले, बाबू गणेश शरण

अग्रवाल, आरके एजुकेशन हब के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, अधिवक्ता राधेश्याम अग्रवाल, आलोक बंसल, गिरीश सराफ, अशोक अग्रवाल, कपिल मुकुटवाला, अखिल अग्रवाल, भीमसेन अग्रवाल और अंशु बजाज सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जीडी पब्लिक स्कूल में बच्चों ने सीखे आपदा प्रबंधन के गुर



गैस सिलेंडर में लगी आग को बुझाने का गुर सीखती शिक्षिका।

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस पर मंगलवार को जीडी पब्लिक स्कूल औरंगाबाद में नेशनल डिजास्टर एंड फायर सेफ्टी फाउंडेशन के तत्वावधान में अग्नि सुरक्षा और आपदा प्रबंधन जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इसमें 410 विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष- मुख्य वक्ता अशोक यादव ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के तरीके बताए। उन्होंने स्मॉर्ड गैस सिलेंडर में

अग्नि सुरक्षा शिविर में गैस सिलेंडर की आग बुझाने का किया गया प्रदर्शन

आग लगने की स्थिति में बचाव का प्रदर्शन किया। शिविर में विद्यार्थियों और शिक्षकों से आग बुझाने का अभ्यास भी कराया गया। प्रशिक्षण में पवन प्रकाश, पंकज गर्ग, गुलशेर, राम सैनी, ताहिर खान, शुभम कुमार और निवेश्वरी ने सहयोग किया। राष्ट्रीय सचिव शेखर शाक्य मौजूद रहे। संचालन जिलाध्यक्ष जयवीर यादव ने किया। विद्यालय प्रबंधक गिराज कुमार ने

ताइक्वांडो में राजीव इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते पांच पदक

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने आगरा में आयोजित तीसरे ओपन नेशनल ताइक्वांडो कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण सहित कुल पांच पदक अपने नाम किए। इंटरनेशनल स्पोर्ट्स मार्शल आर्ट्स कार्डसिल (आईएसएमएसी) द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले विराट और गोपी प्रिया को फिलीपींस में निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने का अवसर मिलेगा। यह शिविर ओलम्पिक पदक विजेता द्वारा आयोजित किया जाएगा।

प्रतियोगिता में विराट और गोपी प्रिया ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं, गार्गी और केशवी आहूजा ने रजत पदक हासिल किए, जबकि प्रत्यूष ने कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजकों ने सभी पदक विजेताओं को मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित



प्रिंसिपल नंदिता दीगरा के साथ तीसरे ओपन नेशनल ताइक्वांडो कप के पदक विजेता।

किया। स्वर्ण पदक विजेताओं को विशेष रूप से टी-शर्ट और प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

फिलीपींस में निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का अवसर मिलने से विराट और गोपी प्रिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल को निखारने और भविष्य की प्रतियोगिताओं की तैयारी करने में मदद मिलेगी।

आर.के. एज्युकेशन हब के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने खिलाड़ियों

को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने प्रतिभा, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। स्कूल चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने कहा कि खेलों में सफलता के लिए नियमित अभ्यास, धैर्य और दृढ़ संकल्प आवश्यक हैं। ताइक्वांडो आत्मरक्षा के साथ एकाग्रता और अनुशासित जीवन की प्रेरणा भी देता है।

स्कूल की प्रिंसिपल नंदिता दीगरा ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते

स्वर्ण पदक विजेता विराट और गोपी प्रिया को फिलीपींस में मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण

आगरा में तीसरे ओपन नेशनल ताइक्वांडो कप में विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलों में भागीदारी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खिलाड़ियों की सफलता में खेल प्रशिक्षिका सृष्टि का विशेष योगदान रहा। उनके प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन से विद्यार्थियों को प्रतियोगिता की बेहतर तैयारी करने में मदद मिली।

किशोरी रमण कॉलेज में विद्यार्थियों ने ली नशा मुक्ति की शपथ



मंगलवार को नशा मुक्ति की शपथ लेते छात्र-छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के तहत विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराई समाप्त करने के

लिए प्रेरित किया। एनएसएस के जिला नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार कौशिक ने कहा कि विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए देश को नशामुक्त बनाना जरूरी है।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नवीन अग्रवाल ने संचालन करते हुए विद्यार्थियों से नशामुक्त जीवन अपनाने और अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रो. विनोद खंडेलवाल, डॉ. अजय उपाध्याय, एनसीसी प्रभारी डॉ. कपिल कौशिक और एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

काव्य नाटिका से बताया नशे का परिवार पर दुष्प्रभाव



काव्य नाटिका मंचन के दौरान छात्राएं और शिक्षिकाएं।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 13 अक्टूबर को सेवा संकल्प अभियान के तहत हिंदी विभाग की ओर से नशा मुक्ति विषय पर काव्य नाटिका का आयोजन किया गया। सभागार में प्रस्तुत नाटिका के माध्यम से युवाओं और समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

प्राचार्य प्रो. पल्लवी सिंह के मार्गदर्शन में प्रस्तुत काव्य नाटिका में नशे की लत से प्रभावित व्यक्ति के साथ उसके परिवार की पीड़ा को भावपूर्ण ढंग से दर्शाया गया। इसमें

शिक्षकों ने सहभागिता कर किया जागरूक

माता-पिता, पत्नी और बच्चों के मानसिक-सामाजिक संघर्ष को प्रस्तुत कर नशे के व्यापक दुष्प्रभाव बताए गए। प्राचार्या प्रो. पल्लवी सिंह ने कहा कि नशे से दूरी बनाकर ही स्वस्थ और सुखी समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. निधि शर्मा, सह-संयोजिकाएं डॉ. ज्योतिष चौहान, डॉ. शीला देवी और रूमी जायसवाल रही। इस अवसर पर प्रो. कविता कनौजिया, डॉ. दिव्यांशु और प्रियंका पाल उपस्थित रही।

जनगणना के लिए फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण शुरू

यूनिक समय, मथुरा। भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण जनसंख्या गणना के लिए तीन दिवसीय फील्ड ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज में शुरू हुआ। 12 से 14 अक्टूबर तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि जनगणना

डीएम ने कहा- पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से करें कार्य

महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसके आंकड़े देश की विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए सभी फील्ड ट्रेनर जनगणना के नियमों, प्रक्रियाओं और दिशा-निर्देशों का

गहन अध्ययन करें तथा गणना कार्य पूरी निष्ठा, जिम्मेदारी और सावधानी से करें। उन्होंने त्रुटिरहित आंकड़े जुटाने और निर्धारित समय-सारिणी का पालन करने पर जोर दिया।

प्रशिक्षण में परिवारों का विवरण, सदस्यों की संख्या, आयु, वैवाहिक स्थिति, साक्षरता, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों से संबंधित जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया समझाई गई।

जनगणना ऐप के संचालन, डेटा एंट्री में शुद्धता, त्रुटियों के निराकरण और सभी परिवारों का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर एडीएम वित्त डॉ. पंकज कुमार वर्मा, जिला प्रभारी जनगणना मृगेन्द्र बहादुर सिंह, सह-प्रभारी अभिषेक पांडेय, जिला मास्टर ट्रेनर बलवीर सिंह, सुधीर सोलंकी, गिरीश कौशिक और प्रकाश चंद सहित अन्य प्रतिभागी उपस्थित थे।

कोसी की गलियों में उतरा त्रेता राम बारात में उमड़ा सैलाब



बारात में शामिल श्रीराम और लक्ष्मण के स्वरूप। अतिथि को सम्मानित करते रामलीला संस्थान के पदाधिकारी।

यूनिक समय, कोसीकलां। मंगलवार शाम कोसीकलां में राम बारात ने पूरे नगर को भक्तिमय कर दिया। शाम सात बजे लाला ग्यालाल स्मृति भवन से निकली राम बारात में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम दूल्हे के रूप में आकर्षण का केंद्र रहे। उनके साथ लक्ष्मण और गुरु वशिष्ठ की झांकी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। नगर की गलियों, छतों और चौबारां पर खड़े लोगों ने पुष्प वर्षा कर बारात का स्वागत किया। जगह-जगह जय श्रीराम के जयकारे गुंजते रहे। कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण

दूल्हे बने राम, जनकपुरी में हुआ भव्य स्वागत

बैड-बाजों और झांकियों ने बांधा समां, गुंजे जयकारे

और मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने राम बारात की आरती उतारी। आधा दर्जन बैड-बाजों की धुन पर श्रद्धालु झुमते नजर आए। वहीं, तोताराम मंदिर को अवधपुरी के स्वरूप में सजाया गया। यहां राजा दशरथ बगगी पर सवार रहे,



जबकि भरत और शत्रुघ्न दूल्हे के रूप में नजर आए। करीब एक दर्जन आकर्षक झांकियों ने रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। विद्युत झालरों से सजी जनकपुरी में अर्द्धरात्रि के बाद बारात पहुंची, जहां राजा जनक ने भव्य स्वागत किया।

पूरा परिसर सियावर रामचंद्र की जय से गुंज उठा। रात्रि में मोहन भारती और प्रेम दीक्षित के भजनों ने भक्तिमय माहौल बना दिया। सुरक्षा व्यवस्था में सीओ बृजभूषण वर्मा, क्राइम इंस्पेक्टर सत्यप्रकाश और चौकी प्रभारी दुष्यंत

कौशिक की टीम मुस्तैद रही। रामलीला संस्थान अध्यक्ष गिरिज सिंह के नेतृत्व में अशोक जैन कामिया, चैयरमैन धर्मवीर अग्रवाल, पूर्व चैयरमैन नरेंद्र कुमार गुर्जर, भाजपा नेता तरुण सेठ, पं. जगदीश शर्मा, चौधरी मदनलाल, राहुल जैन कामियां, खगेंद्र सिंह उर्फ बाँबी ठाकुर, मंत्री हैप्पी गर्ग, अनुराग तायल, सोनू हलवाई, नवल अग्रवाल, हरीश बिंदल, देवेश गौड़, मनीष गुप्ता गुड़ वाले, अमित जैन और नवांशु अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए।

तरुण सेठ को राष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी जिम्मेदारी

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के बने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी और समाज सेवी भाजपा नेता तरुण सेठ को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी मिली है। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद (रजि.) टेज्डर्स एंड इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन ने उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद पर मनोनीत किया है।

मंगलवार को अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सुमंत गुप्ता अपनी कार्यकारिणी के साथ मवस्सल पेच स्थित भाजपा नेता तरुण सेठ के आवास पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तरुण सेठ को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का मनोनीत पत्र सौंप मनोनीत किया और बधाई दी। मनोनीत होने के बाद तरुण सेठ ने परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन्त गुप्ता और शीर्ष नेतृत्व को विश्वास दिलाया कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, वह उसे पूरी ईमानदारी और



तरुण सेठ को नियुक्ति पत्र देते वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सुमंत गुप्ता आदि।

निष्ठा से निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि परिषद के निर्देश पर 27 अक्टूबर को रिफॉर्म क्लब, रायबरेली में होने वाले राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए वह पूरी ताकत से जुटेंगे। सम्मेलन में 85 वैश्य बाहुल्य सीटों पर टिकट, जनगणना में वैश्य लिखने की अपील और करदाता व्यापारियों के सम्मान जैसे अहम प्रस्ताव रखे जाएंगे। इस मौके पर अमित वाष्ण्य राष्ट्रीय प्रधान महासचिव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमल किशोर वाष्ण्य, जगदीश गुप्ता, महेश अग्रवाल, कपिल खंडेलवाल, नवांशु अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालु पूछ रहे सवाल- नंगे पैर कैसे खेलेगा स्वरूप

यूनिक समय, कोसीकलां। काली मेले में अब कुछ ही दिन शेष बचे हैं, लेकिन नगर पालिका की लापरवाही के चलते मां काली के स्वरूप की राह में ही रोड़ा बन गई है।

परंपरा के अनुसार, नवमी वाले दिन मां काली का स्वरूप काली मंदिर से शुरू होकर बलदेवगंज, घंटाघर चौराहा, पंजाबी बाजार, सब्जी मंडी होते हुए भारत मिलाप चौक पर पहुंचता है। इस पूरे मार्ग में सबसे ज्यादा भीड़ और मुख्य लीला घंटाघर चौराहे पर ही होती है। यहीं पर काली का स्वरूप दोनों हाथों में तलवार लेकर नृत्य करता है। यूनिक समय की तस्वीर में दिख रहा घंटाघर चौराहा का यही मुख्य पड़ाव आज पूरी तरह जर्जर है। कुछ माह पहले ही बनाई गई सीसी सड़क उखड़ रही है, सड़क छलनी हो गई है और नुकीली रोड़ी बाहर निकल आई है।



सड़क पर निकली गिट्टी।

सबसे बड़ी बात यह है कि मां काली का स्वरूप इस पूरे मार्ग पर 'नंगे पैर' ही चलता और खेलता है। जब घंटाघर जैसी मुख्य जगह पर ही सड़क इतनी नुकीली और गड़बड़ भरी होगी, तो नंगे पैर दौड़ने-खेलने पर स्वरूप के पैर बुरी तरह जख्मी हो जाएंगे। रामलीला कमेटी और श्रद्धालुओं ने ईओ नगर पालिका से मांग की है कि घंटाघर चौराहे की दोनों ओर की सड़क को तत्काल दुरुस्त कराया जाए, ताकि मां काली की सवारी निर्विघ्न निकल सके।

केशव कुंज कॉलोनी में फिर निकला अजगर, मचा हड़कंप

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की केशव कुंज कॉलोनी में एक बार फिर अजगर निकलने से हड़कंप मच गया। कॉलोनी निवासी रुचि अग्रवाल के घर में विशाल अजगर घुस गया, जिसे देखकर परिजनों की चीख निकल गई और कालोनी में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी इस कॉलोनी में कई बार अजगर और जहरीले सांप निकल चुके हैं। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद अजगर का रेस्क्यू किया और उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। वन विभाग के अनुसार, अजगर करीब 6 से 7 फीट लंबा था। कॉलोनी वासियों ने बताया कि कॉलोनी के पीछे खाली पड़े प्लॉटों में झाड़ियां और गंदगी है, जिसके कारण यहां लगातार ऐसे जीव निकल रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से जल्द साफ-सफाई कराने और सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है।

बाजना में धूमधाम से निकली श्रीराम की बारात



बारात में शामिल झांकी पर विराजमान श्रीराम-लक्ष्मण की आरती उतारते नगर पंचायत अध्यक्ष सुभाष चौधरी आदि।

यूनिक समय, बाजना। कस्बे में चल रहे रामलीला महोत्सव के अंतर्गत मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की बारात धूमधाम से निकाली गई। बैड-बाजे, ढोल-नगाड़ों और सजी-धजी बगियों के साथ निकली बारात का नगर में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। बारात में श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के दिव्य स्वरूपों के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरा कस्बा जय श्रीराम के जयकारों से गुंज उठा। बारात का शुभारंभ बिहारी जी मंदिर से नगर पंचायत अध्यक्ष सुभाष चौधरी ने भगवान श्रीराम की आरती उतारकर और तिलक लगाकर किया। इसके बाद बारात बड़ा बाजार, अक्रूर चौक, पत्थर मंडी और बीज गोदाम होते हुए पुनः बिहारी मंदिर प्रांगण पहुंची। मार्ग में नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया। बारात के समापन के बाद रामलीला मंच पर परशुराम-लक्ष्मण संवाद का जीवंत मंचन किया गया। शिव धनुष टूटने पर क्रोधित होकर पहुंचे महर्षि परशुराम और लक्ष्मण के बीच तीखे संवादों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इस अवसर पर सुभाष चौधरी, प्रेमपाल चौधरी, बलजीत चौधरी, विष्णु उस्ताद, बाँबी सेठ, गन्ना सेठ, डॉ. विष्णु, ऋषिपाल चौधरी, गिरीश डेरी वाले, पूर्व चैयरमैन हरिओम शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सतीश ने डॉ. अमर सिंह पौनिया से लिया आशीर्वाद

यूनिक समय, कोसीकलां। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सतीश वाल्मीकि ने वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. अमर सिंह पौनिया से उनके कैंप कार्यालय पर शिष्टाचार भेंट कर आशीर्वाद लिया। डॉ. पौनिया ने फूल-माला पहनाकर उनका



डा. अमर सिंह पौनिया से आशीर्वाद लेते सतीश वाल्मीकि।

स्वागत किया और जिलाध्यक्ष बनने पर बधाई दी। डॉ. अमर सिंह पौनिया ने कहा कि पार्टी ने कर्मठ कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी है। सतीश वाल्मीकि के नेतृत्व में मोर्चा गांव-गांव तक मजबूत होगा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि वह जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाएंगे। इस दौरान किशोर वाल्मीकि, लक्ष्मी नारायण वाल्मीकि और सौरभ वाल्मीकि मौजूद रहे।

आर्य समाज के 88वें वार्षिकोत्सव का मंत्री को न्योता

यूनिक समय, कोसीकलां। आर्य समाज कोसीकलां के 88वें वार्षिकोत्सव के लिए प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण को आमंत्रित किया गया। आर्य समाज के पदाधिकारियों ने मंगलवार को मंत्री के आवास पर पहुंचकर



कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण को निमंत्रण पत्र देते आर्य समाज के बंधु।

पत्र सौंपा। समाज के संरक्षक ओमप्रकाश आर्य और प्रधान डॉ. प्रकाश आर्य ने बताया कि 88वां वार्षिकोत्सव 22 से 25 अक्टूबर तक धूमधाम से मनाया जाएगा। चार दिवसीय आयोजन में देश के प्रसिद्ध वैदिक विद्वानों के प्रवचन होंगे। समापन दिवस 25 अक्टूबर को 21 कुंडीय सुख-समृद्धि महायज्ञ विशेष आकर्षण रहेगा। मंत्री ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा कि आर्य समाज का यह आयोजन वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार में अहम भूमिका निभाएगा। इस दौरान सुरेंद्र आर्य, सत्यप्रकाश आर्य, नरेंद्र आर्य मौजूद रहे।

राम वनवास और केवट संवाद देख भावविभोर हुए दर्शक

यूनिक समय, नौहड़ील।

कस्बा में आयोजित 120वें रामलीला महोत्सव में सोमवार रात को राम वनवास और राम-केवट संवाद की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। आदर्श महालक्ष्मी रामलीला संस्थान, श्रीधाम वृंदावन के नौहड़ील में रामलीला मंचन के दौरान निषादराज और अन्य कलाकार।



नौहड़ील में रामलीला मंचन के दौरान निषादराज और अन्य कलाकार।

इस अवसर पर रामलीला समिति अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, उपाध्यक्ष महेश पुरोहित, महामंत्री मोरध्वज अग्रवाल, मंत्री संजय पाठक, कोषाध्यक्ष पन्नालाल गुप्ता, ऑडिटर धर्मपाल पाठक, संगठन मंत्री रमन बिहारी भारद्वाज, सूचना प्रसारण मंत्री हजारीलाल गुप्ता, अनिल शर्मा, दयाराम पाठक, शंकर त्रिपाठी, संतोष भारद्वाज, मनोज पाठक, विनोद शर्मा और ओमप्रकाश पाठक (रायपुर, छत्तीसगढ़) सहित सैकड़ों समिति सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रसेन वाटिका में बिखरी सांस्कृतिक छटा

एक ईट, एक रुपये की नीति आज भी प्रासंगिक: लक्ष्मी नारायण

यूनिक समय, कोसीकलां। महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार शाम महाराजा अग्रसेन वाटिका में भव्य सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गई। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। परिसर महाराजा अग्रसेन के जयकारों से गुंज उठा।

शुभारंभ समाजसेवी-मार्बल व्यवसायी जिंदल परिवार के डॉ. जगदीश जिंदल, श्याम जिंदल, गोपाल जिंदल और पुनीत जिंदल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि महाराजा अग्रसेन धर्म, एकता और व्यापार के प्रेरणास्रोत हैं। उनकी एक ईट, एक रुपये की नीति समाज को सहयोग और आत्मनिर्भरता का संदेश देती है। सांस्कृतिक संध्या में बच्चों और बाहर से आए कलाकारों ने महाराजा अग्रसेन के जीवन, त्याग और समाजवाद पर आधारित झांकियां प्रस्तुत कीं। भजनों और मनमोहक नृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।



महाराज अग्रसेन जयंती पर अतिथि को सम्मानित करते पदाधिकारी।

कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर अग्रवाल समाज अध्यक्ष संजीव जाबिया, पूर्व अध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल उर्फ वेदी अग्ररारिया, देशबंधु अग्रवाल, कमल किशोर वाष्ण्य, गोविंद अग्रवाल जाबिया, डॉ. प्रकाश आर्य, अमित अग्रवाल उर्फ मोना, नवल भगतजी और मुरारीलाल जाबिया सहित कार्यकारिणी के सदस्य, नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सुविचार



"सफलता उन्हें मिलती है जो निरंतर प्रयास करते रहते हैं।"

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्थी	11:28-01:13 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	वृश्चिक	01:42-03:25 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:19 AM	चन्द्रोदय	09:44 AM
सूर्यास्त		5:52 PM	चन्द्रास्त	07:58 PM
सूर्य राशि	कन्या राशि		चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त	11:51AM-12:41 PM		ब्रह्म मुहूर्त	04:36-05:25
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	12:06 PM-01:32 PM		बुधवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : <https://youtube.com/uniquesamay>

नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना, मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु



कंकाली देवी।



कंकाली देवी मंदिर में माता रानी की पूजा करते भक्त।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की भक्ति का रंग दिखाई दिया। सुबह होते ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने लगी। भक्तों ने मां के दर्शन कर पुष्प, चुनरी, नारियल और प्रसाद अर्पित किया। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने माता रानी से परिवार पर कृपा बनाए रखने और जीवन में सुख-समृद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की।

शहर के काली देवी मंदिर, मां बगलामुखी मंदिर और मां कंकाली देवी मंदिर सहित विभिन्न देवी मंदिरों में भक्तों ने पहुंचकर पूजा-अर्चना की।

घंटा-घड़ियाल और जयकारों से भक्तिमय हुआ माहौल, घरों में भी हुई पूजा, सुख-समृद्धि की कामना

मंदिरों में गूंजते जयकारों और आरती के स्वर से माहौल श्रद्धामय बना रहा। कई श्रद्धालु सुबह से ही पूजा की तैयारी में जुट गए और मंदिर पहुंचकर मां के चरणों में शीश नवाया।

नवरात्र का उत्साह केवल मंदिरों

तक सीमित नहीं रहा। घरों में भी श्रद्धालुओं ने पूजा स्थल सजाकर मां चंद्रघंटा की आराधना की। महिलाओं ने पूजा की थाली तैयार की, दीप प्रज्वलित किया और आरती कर परिवार की मंगलकामना की।

कई परिवारों में नौ दिनों तक व्रत रखने की परंपरा निभाई जा रही है। सुबह और शाम की पूजा के साथ घरों में भजन-कीर्तन भी किए जा रहे हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां

चंद्रघंटा का स्वरूप साहस, शौर्य और शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

भक्त विश्वास के साथ मां की उपासना कर जीवन में आने वाली कठिनाइयों से मुकाबला करने की शक्ति और परिवार की सुख-शांति का आशीर्वाद मांगते हैं। शहर के साथ गोवर्धन, बरसाना, फरह, छाता, कोसीकला, वृंदावन, राया और मांट सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी नवरात्र की रौनक दिखाई दे रही है।



वनवास की सवारी निकली, केवट लीला ने मोहा मन

यूनिक समय, मथुरा। श्रीरामलीला महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार शाम श्रीकृष्ण जन्मस्थान से भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की वनवास सवारी निकाली गई। सवारी डींग गेट, चौक बाजार होते हुए स्वामी घाट पहुंची। यहां निषादराज से भेंट और सुमंत विदाई लीला हुई। इसके बाद विश्राम घाट पर माथुर चतुर्वेद समाज की ओर से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। यहां केवट लीला का मंचन हुआ। भगवान राम और केवट के संवाद ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

इसके बाद प्रभु नौका से बंगाली घाट स्थित भारद्वाज ऋषि आश्रम पहुंचे। मार्ग में ऋषि-मुनियों

और ग्रामवासियों से भेंट करते हुए सवारी घीया मंडी स्थित वाल्मीकि आश्रम पहुंची, जहां वाल्मीकि ऋषि संवाद लीला हुई। सवारी विभिन्न मार्गों से होते हुए चित्रकूट पहुंची।

उधर, श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर शाम सात बजे दशरथ मरण और भरत आगमन लीला का मंचन किया गया। भगवान राम के वियोग में राजा दशरथ ने प्राण त्याग दिए। अयोध्या लौटने पर भरत और शत्रुघ्न पिता को मृत देखकर विलाप करने लगे। भरत ने माता कैकेयी को उनके निर्णय के लिए फटकार लगाई। उन्होंने प्रभु को वापस लाकर राजगद्दी पर विराजमान कराने का संकल्प लिया।

प्रसाद सेवा राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल (मोदी पायल वाले) ने की। इस अवसर पर गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, जयंती प्रसाद अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, जुगलकिशोर अग्रवाल, मूलचंद गर्ग, प्रदीप सराफ, विजय सराफ, शैलेश सराफ, अजय मास्टर, विनोद सराफ, संजय बिजली, अनूप टेंट, पं. अमित भारद्वाज, हिमांशू सूतिया, रामगोपाल शर्मा और सर्वेश शर्मा एडवोकेट सहित अन्य लोग मौजूद रहे। 14 अक्टूबर को भरत-शत्रुघ्न की सवारी गोविंदराज से होली गेट, स्वामी घाट, चौक बाजार, गुड़हाई बाजार और लाल दरवाजा होते हुए चित्रकूट पहुंचेगी। यहां रात्रि में भरत मनावन और पादुका दान लीला का मंचन होगा।

नवरात्र में करें ये उपाय शादी की बाधाएं होंगी दूर



यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा की आराधना का विशेष महत्व है। इन नौ दिनों में श्रद्धालु व्रत, पूजा और अनुष्ठान कर सुख-समृद्धि तथा मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्र में सुपारी, लाल फूल और लौंग से जुड़े कुछ पारंपरिक उपाय भी किए जाते हैं। अयोध्या के पंडित सीताराम दास के अनुसार, इन उपायों को श्रद्धा के साथ करने की परंपरा है।

विवाह में बाधा दूर होने की कामना के लिए एक सुपारी पर सिंदूर लगाकर उसे पीले कपड़े में बांधने का उपाय बताया जाता है। नवरात्र में मां दुर्गा की पूजा के दौरान इस पोटली को देवी के चरणों में अर्पित कर विवाह संबंधी बाधाएं दूर होने

की प्रार्थना की जाती है।

वहीं, मां दुर्गा को लाल फूल, विशेषकर गुड़हल अर्पित करना शुभ माना जाता है। लाल रंग को शक्ति, ऊर्जा और साहस का प्रतीक मानकर भक्त देवी से सुख-शांति और खुशहाली की कामना करते हैं।

धार्मिक परंपरा के अनुसार, अपनी उम्र के बराबर साबुत लौंग लेकर उनकी माला बनाई जाती है। नवरात्र में पूजा के समय इसे मां दुर्गा को अर्पित कर अधुरी इच्छा पूरी होने की प्रार्थना की जाती है। मान्यता है कि इससे भक्त को मनोकामना पूर्ति की आशा और मानसिक संतुष्टि मिलती है। ये उपाय धार्मिक आस्था और परंपराओं पर आधारित हैं। इनके परिणाम की वैज्ञानिक पुष्टि नहीं है।

कन्या पूजन से जगाएं श्रद्धा, जीवन में लाएं सुख-समृद्धि

यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्र में कन्या पूजन का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छोटी कन्याओं को नवदुर्गा का स्वरूप माना जाता है। उनकी पूजा और भोजन करने से मां दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है। अक्सर श्रद्धालुओं के मन में सवाल रहता है कि कन्या पूजन दुर्गाष्टमी पर करना चाहिए या महानवमी पर। देवीभागवत पुराण के अनुसार नवरात्र की प्रतिपदा से महानवमी तक किसी भी दिन कन्या पूजन किया जा सकता है। जो लोग नौ दिनों तक पूजा नहीं कर पाते, वे अष्टमी या नवमी पर यह



अनुष्ठान कर सकते हैं।

वर्ष 2026 में दुर्गाष्टमी और महानवमी दोनों 19 अक्टूबर, सोमवार

को पड़ रही है। ऐसे में श्रद्धालु इसी दिन विधि-विधान से कन्या पूजन कर सकते हैं। दिए गए मुहूर्त के अनुसार

19 अक्टूबर को शुभ मुहूर्त में करें कन्या पूजन दो से दस वर्ष की कन्याओं की पूजा का विधान

सुबह 6:24 से 7:50 बजे तक अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त है। इसके बाद सुबह 9:15 से 10:40 बजे तक शुभ-उत्तम मुहूर्त में कन्या पूजन किया जा सकता है।

पूजन में कम से कम एक कन्या

और एक बालक को शामिल करने की परंपरा बताई गई है। कन्याओं की संख्या एक से नौ तक हो सकती है। बालक को बटुक भैरव का स्वरूप मानकर पूजा जाता है। मान्यता है कि एक कन्या की पूजा से ऐश्वर्य, दो से भोग, तीन से पुरुषार्थ, चार या पांच से ज्ञान-बुद्धि और विद्या, छह से सफलता, सात से परमपद, आठ से अष्टलक्ष्मी और नौ कन्याओं की पूजा से ऐश्वर्य एवं वैभव की प्राप्ति होती है।

कन्या पूजन के लिए दो से दस वर्ष तक की बालिकाओं को उपयुक्त माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार

दो वर्ष की कन्या मां कुंआरी, तीन वर्ष की त्रिमूर्ति, चार वर्ष की कल्याणी, पांच वर्ष की रोहिणी, छह वर्ष की काली, सात वर्ष की चंडिका, आठ वर्ष की शांभवी, नौ वर्ष की दुर्गा और दस वर्ष की कन्या देवी सुभद्रा का स्वरूप मानी जाती है।

नवरात्र में कन्याओं का पूजन, उन्हें भोजन कराना और श्रद्धापूर्वक उपहार देना देवी आराधना का महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार निर्धारित दिन पूजा कर मां दुर्गा से सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर सकते हैं।



सम्पादकीय



नजरिया

इंटरव्यू में इंसान बनें
एआई की दुकान नही

नौकरी पाने के लिए कभी डिग्री दिखाई जाती थी, कभी अनुभव का बखान होता था और कभी सिफारिश की चिट्ठी काम आती थी। अब जमाना बदल गया है। उम्मीदवार की योग्यता बाद में देखी जाती है, पहले यह शक होता है कि जवाब उसने खुद लिखा है या एआई से लिखवाया है। यानी नौकरी की दौड़ में अब मुकाबला दूसरे उम्मीदवारों से ही नहीं, अपनी ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता से भी है! हजारों आवेदनों के बीच उम्मीदवारों की भाषा भी जांची जा रही है। बार-बार इस्तेमाल होने वाले

पवन गौतम
संपादक

शब्द, एक जैसे वाक्य और जरूरत से ज्यादा चमकदार अभिव्यक्तियां संदेह पैदा कर सकती हैं। हालांकि, ये संकेत हैं, पुष्टा सबूत नहीं। इंसान भी अच्छी अंग्रेजी लिख सकता है और एआई की मदद के बिना शानदार सीवी बना सकता है। आजकल सीवी पढ़िए तो हर उम्मीदवार 'हाईली मोटिवेटेड', 'रिजल्ट ओरिएंटेड' और 'एक्सीलेंट कम्प्युनिकेटर' है। लगता है जैसे नौकरी के बाजार में इंसान नहीं, एक ही फैक्टरी से निकले सुपरहीरो घूम रहे हों। हर कोई कंपनी की तरक्की का इंजन है, हर कोई टीम का कप्तान और हर कोई समस्याओं का रामबाण इलाज! मगर इंटरव्यू में जब पूछा जाता है कि आपने पिछली नौकरी में कौन-सी समस्या हल की, तो कई दावों की हवा निकल जाती है। सीवी में नेतृत्व की गंगा बहाने वाला उम्मीदवार अपने अनुभव का एक उदाहरण खोजने में ही पूरा इंटरव्यू निकाल सकता है। आखिर विशेषणों से कागज सजता है, उपलब्धियां नहीं बनती।



संपादकीय सुनने के लिए
मोबाइल से QR कोड
को स्कैन करें।

एआई से मदद लेना गलत नहीं है। लेकिन उसकी भाषा को बिना समझे अपने नाम से पेश करना ऐसा ही है, जैसे पड़ोसी की नई कार के साथ फोटो खिंचवाकर खुद को कार मालिक बताना। असली परीक्षा तब होती है, जब सामने बैठा अधिकारी लिखे हुए जवाब से आगे का सवाल पूछ देता है।

उम्मीदवारों को समझना होगा कि इंटरव्यू कोई भाषण प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अपनी समझ और अनुभव साबित करने का अवसर है। जवाब में थोड़ी झिझक चलेगी, सामान्य भाषा चलेगी, लेकिन खोखले दावे नहीं। अपने काम के उदाहरण दीजिए, असफलताओं से मिली सीख बताइए और वही बोलिए जिसे आप समझते हैं।

निष्कर्ष साफ है: एआई से सीवी चमकाइए, मगर अपना दिमाग मत बुझाइए। नौकरी आपको चाहिए, चैटबॉट को नहीं। वरना इंटरव्यू खत्म होते ही अधिकारी यही पूछेगा—उम्मीदवार आप थे या आपका सॉफ्टवेयर?

बोध प्रकाश सगुणी

भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार देखकर लगता है कि देश ज्ञान की महाशक्ति बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। कॉलेज बढ़ रहे हैं, विश्वविद्यालयों में दाखिले बढ़ रहे हैं और डिग्रियां हासिल करने वाले युवाओं की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक सवाल मुंह बाए खड़ा है—क्या डिग्रियों की बढ़ती संख्या के साथ ज्ञान और रोजगार की गुणवत्ता भी उसी रफ्तार से बढ़ रही है? अगर डिग्री हाथ में हो, लेकिन नौकरी के लिए दर-दर भटकना पड़े, तो शिक्षा व्यवस्था की सफलता का हिसाब आखिर किस पैमाने से लगाया जाए?

पिछले दशक में भारतीय उच्च शिक्षा ने विस्तार के कई पड़ाव पार किए हैं। अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के अनुसार, 2014-15 में उच्च शिक्षा में कुल नामांकन लगभग 3.42 करोड़ था, जो 2023-24 में बढ़कर करीब 4.50 करोड़ हो गया। महिलाओं और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की भागीदारी में वृद्धि भी सकारात्मक संकेत है। यह बदलाव बताता है कि उच्च शिक्षा का दरवाजा पहले की तुलना में अधिक लोगों के लिए खुला है। मगर दरवाजा खुलने और भीतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने में अंतर है। कॉलेज में प्रवेश मिल जाना उपलब्धि हो सकती है, लेकिन वहां शिक्षक, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और बेहतर पढ़ाई का वातावरण मिलना भी उतना ही जरूरी है।

देश में शिक्षा संस्थानों की संख्या बढ़ाना आसान लक्ष्य दिखाई देता है, लेकिन उनमें योग्य शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना कहीं अधिक कठिन काम है। कई संस्थानों में शिक्षकों के रिक्त पद, अस्थायी नियुक्तियां और संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियां सामने आती रही हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे मिलेगी? शिक्षक के बिना कक्षा चल सकती है, पाठ्यक्रम की औपचारिकता भी पूरी हो सकती है, लेकिन ज्ञान का विकास कैसे होगा? विटंबना देखिए कि विद्यार्थी से हर परीक्षा में अच्छे अंक, नियमित उपस्थिति और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है, लेकिन संस्थानों को भी उतनी ही गंभीरता से परखा जाना चाहिए। केवल इमारत, नामांकन और परीक्षा परिणाम देखकर किसी कॉलेज की गुणवत्ता तय नहीं की जा सकती। असली सवाल यह है कि वहां पढ़ने वाला विद्यार्थी क्या सीख रहा है, उसकी समझ कितनी विकसित हो रही है और वह वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान करने में कितना सक्षम बन रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास, शोध और अकादमिक लचीलेपन पर जोर दिया है। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और डिजिटल प्रशासन जैसी पहल विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाएं खोल सकती हैं। लेकिन तकनीक अपने आप शिक्षा की गुणवत्ता की गारंटी नहीं है। ऑनलाइन पोर्टल से प्रवेश प्रक्रिया आसान हो सकती है, डिजिटल व्यवस्था से रिकॉर्ड व्यवस्थित हो सकते हैं, लेकिन कमजोर शिक्षण व्यवस्था को कोई सॉफ्टवेयर रातोंरात नहीं बदल सकता। शिक्षा में तकनीक तभी सार्थक है, जब उसका लाभ विद्यार्थी की समझ और सीखने की क्षमता में दिखाई दे। उच्च शिक्षा की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है डिग्री और रोजगार के बीच बढ़ती दूरी। युवा वर्षों तक पढ़ाई करते हैं, परीक्षाएं पास करते हैं और प्रमाणपत्र हासिल करते हैं। इसके बाद नौकरी के बाजार में उनसे व्यावहारिक अनुभव, डिजिटल दक्षता, संवाद कौशल और समस्या समाधान की क्षमता मांगी जाती है। कई बार विद्यार्थियों को इन अपेक्षाओं का सामना पहली बार नौकरी के लिए आवेदन करते समय होता है। सवाल यह है कि क्या शिक्षा व्यवस्था उन्हें इसके लिए पर्याप्त रूप से तैयार कर रही है? रोजगारपरक शिक्षा का अर्थ केवल विद्यार्थियों को किसी कंपनी की जरूरत



के अनुसार तैयार करना भी नहीं होना चाहिए। विश्वविद्यालयों का काम नौकरी के योग्य कर्मचारी तैयार करने के साथ विवेकशील नागरिक बनाना भी है। मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, सामाजिक समझ, ऐतिहासिक चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों को विकसित करते हैं। विज्ञान और तकनीकी शिक्षा नवाचार तथा समस्या समाधान की क्षमता को मजबूत करती है। इसलिए शिक्षा का उद्देश्य केवल वेतन वाली नौकरी तक सीमित करना उसके व्यापक महत्व को कम करना होगा।

शोध और नवाचार के क्षेत्र में भी गंभीर निवेश की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय केवल परीक्षाएं कराने और डिग्रियां बांटने के केंद्र बनकर नहीं रह सकते। उन्हें नए विचारों, वैज्ञानिक खोजों और सामाजिक समस्याओं के समाधान के केंद्र के रूप में विकसित होना होगा। कृषि, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप शोध की व्यापक संभावनाएं हैं। इसके लिए पर्याप्त शोध अनुदान, योग्य मार्गदर्शक, आधुनिक प्रयोगशालाएं और युवा शोधकर्ताओं को अवसर देना जरूरी है। बिहार में नए सरकारी डिग्री कॉलेजों की शुरुआत और शिक्षकों की नियुक्ति जैसे प्रयास उच्च शिक्षा की पहुंच बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण हो सकते हैं। लेकिन किसी कॉलेज का उद्घाटन शिक्षा सुधार का अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि शुरुआत है। भवन बन जाने से ज्ञान का निर्माण नहीं होता। उसके लिए नियमित कक्षाएं, सक्षम शिक्षक, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं और जवाबदेह प्रशासन चाहिए। सरकारों को संस्थानों की संख्या गिनने के साथ यह भी बताना चाहिए कि विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में कितना सुधार हुआ और उन्हें आगे बढ़ने के कितने अवसर मिले।

भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है, लेकिन केवल युवाओं की संख्या से आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित नहीं होती। बेहतर स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, लैंगिक समानता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलकर ही जनसांख्यिकीय लाभांश को वास्तविक विकास में बदल सकते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे शहरों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना जरूरी है। अन्यथा शिक्षा का विस्तार तो होगा, लेकिन अवसरों की असमानता बनी रहेगी।

शिक्षा में सफलता का पैमाना केवल यह नहीं होना चाहिए कि कितने कॉलेज खुले और कितनी डिग्रियां बांटी गईं। असली सफलता तब होगी, जब विद्यार्थी डिग्री के साथ ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास और रोजगार की क्षमता भी हासिल करें। आने वाले दशक में भारत को डिग्रियों की गिनती से आगे बढ़कर शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। आखिर प्रमाणपत्र दीवार पर टंगा जा सकता है, लेकिन ज्ञान का इस्तेमाल जीवन में करना पड़ता है।

विचार विंडो

नीरज कुमार दुबे

राजनीति में कई बार अपनों के उठाए सवाल विपक्ष के हमलों से ज्यादा असहज कर देते हैं। मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ खड़ा होना इसी सियासी सच्चाई की ओर इशारा करता है। सीहोर जिले के कोसमी गांव में आदिवासी परिवारों के घरों पर बुलडोजर चलाए जाने के मामले में शिवराज की नाराजगी ने भाजपा के भीतर प्रशासनिक जवाबदेही, नेतृत्व और जनहित को लेकर नई बहस छेड़ दी है। सवाल यह नहीं है कि शिवराज ने अपनी सरकार के खिलाफ आवाज क्यों उठाई, बल्कि यह है कि आखिर ऐसी नौबत क्यों आई कि एक केंद्रीय मंत्री को अपनी ही पार्टी की सरकार के अधिकारियों के सामने पीड़ित परिवारों के साथ धरने पर बैठना पड़ा?

लोकतंत्र में किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। कानून का पालन जरूरी है, लेकिन कानून लागू करने के नाम पर मानवीय संवेदनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि वन भूमि पर अतिक्रमण हुआ है, तो उसकी जांच और नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। मगर कार्रवाई का तरीका भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बारह आदिवासी परिवारों के घर उजड़ने, फसलों के नष्ट होने और पानी के लिए इस्तेमाल होने वाले कुएं को मिट्टी से भर दिए जाने

की खबरें प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। आखिर इन परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था क्या थी? क्या उन्हें अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर मिला? क्या उनकी आजीविका और बुनियादी जरूरतों का ध्यान रखा गया? इन सवालों का जवाब केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और ठोस कार्रवाई से मिलना चाहिए।

शिवराज सिंह चौहान का पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचना और उन्हें राहत दिलाने का भरोसा देना उनकी जननेता वाली छवि से जुड़ा कदम है। लंबे समय तक मध्य प्रदेश की सत्ता संभालने वाले शिवराज ने प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। ऐसे में गरीब और आदिवासी परिवारों के घर उजड़ने पर उनकी चुप्पी भी सवालों के घेरे में आ सकती थी। उन्होंने पीड़ितों के साथ खड़े होकर यह संदेश देने की कोशिश की कि सरकारी कार्रवाई से किसी गरीब परिवार का जीवन संकट में पड़ता है, तो उसकी आवाज सत्ता के गलियारों तक पहुंचनी चाहिए। हालांकि, इस घटनाक्रम के राजनीतिक मायने भी हैं। दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद शिवराज की भूमिका राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ी है, जबकि मध्य प्रदेश की कमान मोहन यादव के हाथों में है। दोनों नेताओं की राजनीतिक परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन भाजपा जैसी अनुशासित पार्टी में वरिष्ठ नेता का अपनी ही सरकार के प्रशासनिक तंत्र पर सार्वजनिक सवाल



उठाना सामान्य घटनाक्रम नहीं माना जा सकता। इससे सरकार और संगठन के बीच तालमेल पर चर्चा होना स्वाभाविक है। फिर भी, केवल इस घटना के आधार पर दोनों नेताओं के बीच सत्ता संघर्ष का निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

शिवराज ने अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए यह आशंका भी जताई कि कुछ अधिकारी मुख्यमंत्री की छवि खराब कर रहे हो सकते हैं। इस बयान का एक अर्थ यह है कि सरकार के मुखिया तक जमीनी सच्चाई सही तरीके से पहुंच रही है या नहीं, इसकी समीक्षा होनी चाहिए। यदि प्रशासनिक अधिकारी नियमों की आड़ में ऐसी कार्रवाई करते हैं, जिससे सरकार की छवि प्रभावित होती है और गरीबों का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है, तो जिम्मेदारी तय करना आवश्यक है। लेकिन इस आशंका की पुष्टि तथ्यों और जांच के आधार पर ही होनी चाहिए। बिना प्रमाण किसी अधिकारी या व्यक्ति को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव के सामने भी यह महत्वपूर्ण परीक्षा है। किसी सरकार की मजबूती इस बात से नहीं मापी जाती कि उसके

फैसलों की आलोचना कितनी कम होती है, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि गलतियों की जानकारी मिलने पर वह कितनी तेजी से सुधार करती है। यदि कोसमी के मामले में नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। यदि कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत हुई, तब भी प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और आजीविका के सवालों की अनदेखी नहीं की जा सकती। सरकार को पूरे प्रकरण के तथ्यों को सार्वजनिक करते हुए राहत, जांच और जवाबदेही के संबंध में स्पष्ट स्थिति रखनी चाहिए। कांग्रेस इस मामले को भाजपा की अंदरूनी खींचतान से जोड़ रही है। विपक्ष को सरकार की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन आदिवासी परिवारों की पीड़ा को केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय बना देना भी उचित नहीं है। मूल मुद्दा उन परिवारों का भविष्य है, जिनके सामने रहने और आजीविका का संकट खड़ा होने की बात सामने आई है। राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विवाद का केंद्र पीड़ितों को न्याय दिलाना रहे, न कि एक-दूसरे पर आरोप लगाकर राजनीतिक लाभ उठाना।

भाजपा लंबे समय से गरीब कल्याण, आदिवासी सम्मान और जनसेवा को अपनी राजनीति के प्रमुख आधारों में गिनाती रही है। ऐसे में इन दावों की असली कसौटी जमीनी स्तर पर होने वाली कार्रवाई ही है। आदिवासी समुदायों के अधिकारों, वन भूमि

से जुड़े कानूनों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के बीच संतुलन बनाना सरकार की जिम्मेदारी है। नियमों का पालन सुनिश्चित करते हुए प्रभावित परिवारों के अधिकारों और मानवीय जरूरतों की रक्षा भी की जानी चाहिए। शिवराज के हस्तक्षेप से कम से कम यह अवसर जरूर मिला है कि सरकार अपनी कार्यप्रणाली की समीक्षा करे। यदि उनकी पहल के बाद पीड़ित परिवारों को रहने की जगह, भोजन और आजीविका के लिए प्रभावी सहायता मिलती है, तो यह विवाद केवल राजनीतिक टकराव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रशासनिक सुधार का कारण बन सकता है। इसके विपरीत, यदि मामला आरोपों और सफाईयों में उलझकर रह गया, तो सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल और गहरे होंगे। फिलहाल मध्य प्रदेश भाजपा में सब कुछ ठीक नहीं है, ऐसा अंतिम निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है। लेकिन यह घटना बताती है कि सत्ता, संगठन और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद की जरूरत है। शिवराज की नाराजगी को केवल गुटबाजी बताकर खारिज करना भी गलत होगा और इसे मुख्यमंत्री के खिलाफ निर्णायक राजनीतिक मोर्चा मान लेना भी। असली कसौटी यह है कि सरकार पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाती है या नहीं। आखिरकार, राजनीति में नेतृत्व की सबसे बड़ी पहचान कुर्सी की ताकत नहीं, बल्कि संकट में खड़े नागरिक के साथ खड़े होने की संवेदनशीलता है।

शिवराज के तेवर से भाजपा में सियासी हलचल तेज

जिस रणजी से टीम इंडिया बनती है उसी की अनदेखी कर रहा बीसीसीआई

घरेलू क्रिकेट सीजन के बीच इंडिया-ए के दौरों और व्यस्त शेड्यूल ने खड़े किए सवाल

रणजी ट्रॉफी के खिलाड़ियों की तैयारी और प्रदर्शन पर पड़ सकता है असर

यूनिक समय, नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी को भारतीय क्रिकेट की सबसे मजबूत बुनियाद माना जाता है। इसी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीम इंडिया में जगह बनाने का मौका मिलता है। देश के कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने रणजी ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। इसके बावजूद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के शेड्यूल को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या घरेलू क्रिकेट को पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है? घरेलू सीजन के बीच इंडिया-ए के दौरों और अन्य क्रिकेट गतिविधियों के

सर्जरी के बाद नुसरत भरुचा ने दिखाया अपना हाल, हाथों में लगी ड्रिप्स

बाली हादसे में रीढ़ की हड्डी में हुआ था फ्रैक्चर मुंबई में इलाज के बाद सोशल मीडिया पर शेयर किया हेल्थ अपडेट

यूनिक समय, नई दिल्ली। एक्ट्रेस नुसरत भरुचा ने बाली में हुए हादसे के बाद रीढ़ की हड्डी की सर्जरी कराई है। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना पहला हेल्थ अपडेट शेयर किया है। इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किए गए वीडियो में नुसरत कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके हाथों में ड्रिप्स लगी हैं और एक नर्स उन्हें खाना खिलाती दिखाई दे रही है। वीडियो में वह टीवी पर शाहरुख खान और काजोल का गाना देख रही हैं। इससे पहले नुसरत ने खिड़की के पास रखी खाली रिक्लाइनिंग व्हीलचेयर की तस्वीर साझा की थी। तस्वीर में सूर्यास्त का नजारा दिखाई दे रहा था। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'हमेशा से सनसेट का पीछा करती रही हूं, और अचानक मेरा नजारा बदल



कारण रणजी ट्रॉफी की अहमियत को लेकर बहस तेज हो गई है। भारतीय क्रिकेट में लंबे समय से रणजी ट्रॉफी को खिलाड़ियों की प्रतिभा परखने का सबसे महत्वपूर्ण मंच माना जाता रहा है। यहां खिलाड़ी लंबे प्रारूप में अपनी तकनीक, धैर्य और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता साबित करते हैं। इंडिया-ए टीम के दौरे भी भारतीय क्रिकेट की व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन दौरों के जरिए उभरते खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में खेलने का

अनुभव मिलता है और उन्हें सीनियर टीम के लिए तैयार किया जाता है। हालांकि, इन गतिविधियों और घरेलू टूर्नामेंटों के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी है। अगर कार्यक्रम इस तरह तैयार किया जाए कि खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट और इंडिया-ए के मुकाबलों के बीच तालमेल बैठाने में परेशानी हो, तो चयन प्रक्रिया और खिलाड़ियों के विकास पर सवाल उठना स्वाभाविक है। रणजी ट्रॉफी का महत्व केवल नए खिलाड़ियों को तलाशने तक

नवरात्र पर माता की चौकी में पहुंची तमन्ना भाटिया, मृणाल टाकुर के साथ गाए भजन

पांच घंटे तक भक्ति में डूबी रही एक्ट्रेस

सोशल मीडिया पर साझा की आरती और धार्मिक कार्यक्रम की झलकियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। नवरात्र के अवसर पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया माता की चौकी में शामिल हुईं। अपनी एक दोस्त के घर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में अभिनेत्री मृणाल टाकुर भी मौजूद रहीं। तमन्ना ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम की तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं, जिनमें वह मृणाल के साथ भजन गाती और आरती करती नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि पांच घंटे तक चले इस कार्यक्रम में उन्हें शांति और आध्यात्मिक सुकून का अनुभव हुआ। तमन्ना ने अपने अनुभव को साझा करते हुए लिखा कि भजनों की गूंज, संगीत और माता रानी की कहानियों के बीच उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे वह वैष्णो देवी की यात्रा कर रही हों। उनके मुताबिक, भक्ति और प्रार्थना में बिताए पांच घंटे उन्हें एक पल के समान

सीमित नहीं है। यह अनुभवी क्रिकेटर्स को अपनी फॉर्म सुधारने और टीम में वापसी का दावा मजबूत करने का अवसर भी देती है। खासकर टेस्ट टीम से बाहर चल रहे खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में रणजी ट्रॉफी के कार्यक्रम और खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर स्पष्ट योजना बनाना आवश्यक है। भारतीय क्रिकेट के सामने चुनौती यह है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट, इंडिया-ए के दौरों और घरेलू प्रतियोगिताओं के बीच बेहतर तालमेल कैसे बनाया जाए। बीसीसीआई को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता साबित करने के पर्याप्त अवसर मिलें। आखिरकार, जिस रणजी ट्रॉफी से भारतीय टेस्ट टीम के लिए खिलाड़ी तैयार होते हैं, उसकी अनदेखी लंबे समय में टीम इंडिया की मजबूती को प्रभावित कर सकती है।



लगे। उन्होंने इस धार्मिक आयोजन का हिस्सा बनने के लिए आभार भी जताया। तमन्ना पिछले कुछ समय से अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर भी चर्चा में हैं। उन्होंने पहले बताया था कि करीब चार साल पहले अपने गुरु से मिलने के बाद उनकी आध्यात्मिक यात्रा शुरू हुई। अभिनेत्री के मुताबिक, भक्ति एक ऐसा भाव है, जिसे केवल अभिनय से व्यक्त नहीं किया जा सकता, बल्कि उसे भीतर से महसूस करना जरूरी है। तमन्ना ने छठ महापर्व से जुड़े एक गाने की श्रुति का अनुभव भी साझा किया था। उन्होंने बताया कि सूर्य देव को अर्घ्य देने के दौरान उन्हें जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच उम्मीद बनाए रखने का संदेश मिला। उनके अनुसार, डूबते सूरज के बाद उगता सूरज यह सिखाता है कि निराशा के बाद भी नई शुरुआत संभव है।

कन्नड़ फिल्म 'प्रेमदा ऊराली' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल

2.5 करोड़ में बनी फिल्म ने 18 दिन में कमाए 51 करोड़

डायरेक्टर मां का मंगलसूत्र रखने वाले थे गिरवी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर सफलता के लिए बड़े सितारों और भारी बजट की जरूरत नहीं होती, कन्नड़ फिल्म 'प्रेमदा ऊराली' ने यह साबित कर दिया है। महज 2.5 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने रिलीज के 18 दिनों में शानदार कमाई की है। सैक्शनल के आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म का भारत में ग्रांस कलेक्शन 51.65 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। शुरुआत में फिल्म को ज्यादा दर्शक नहीं मिले, लेकिन धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़ी और कमाई में जबरदस्त उछाल आया। फिल्म के निर्देशक मनोज कुमार के लिए यह सफर आसान नहीं रहा। सीमित बजट के कारण फिल्म का प्रमोशन करना चुनौतीपूर्ण था। आर्थिक परेशानियां इतनी बढ़ गई थी कि फिल्म को पूरा



करने के लिए निर्देशक अपनी मां का मंगलसूत्र तक गिरवी रखने के बारे में सोच रहे थे। हालांकि, फिल्म की सफलता ने उनकी मेहनत को बड़ी पहचान दिलाई। फिल्म के प्रचार के लिए टीम ने अनोखा तरीका अपनाया। रिलीज से एक दिन पहले मनोज कुमार और उनकी टीम ने शादी के निमंत्रण पत्र जैसे कार्ड छपवाए और बसों में सफर करते हुए लोगों के बीच बांटे। इन कार्ड्स के जरिए दर्शकों से फिल्म देखने की अपील की गई। इस पहल ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और धीरे-धीरे फिल्म को दर्शक मिलने लगे। 'प्रेमदा ऊराली' की सफलता कम बजट में फिल्म बनाने वाले निर्माताओं के लिए मिसाल बन गई है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और वास्तविक मुनाफा अलग-अलग होते हैं।

पाकिस्तान टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका टीम का ऐलान, कुसल मंडिस संभालेंगे कप्तान

नवंबर में खेली जाएगी दो टेस्ट मैचों की सीरीज

ईशान मलिंगा को पहली बार टेस्ट टीम में मिला मौका

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के खिलाफ नवंबर में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तान कुसल मंडिस को सौंपी गई है। हाल ही में धनंजय डी सिल्व्वा के कप्तानी छोड़ने के बाद मंडिस को यह जिम्मेदारी दी गई थी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी। श्रीलंका की घोषित टीम में तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा और विकेटकीपर बल्लेबाज अंजला बंडारा को जगह मिली है। ईशान मलिंगा पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किए गए हैं। वह अब तक 19 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 44 विकेट हासिल कर चुके हैं। वहीं, तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका की भी टीम में वापसी हुई है। लाहिरू उदारा और कामिल मिशारा को इस बार टीम में



जगह नहीं मिली है। पूर्व कप्तान धनंजय डी सिल्व्वा को बतौर बल्लेबाज टीम में शामिल किया गया है। धनंजय डी सिल्व्वा ने कप्तानी छोड़ते समय युवा खिलाड़ी को नेतृत्व सौंपने की जरूरत बताई थी। इसके बाद कुसल मंडिस को टीम की कप्तान मिली। अब उनके सामने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम को बेहतर प्रदर्शन कराने की चुनौती होगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में श्रीलंका सातवें और पाकिस्तान नौवें स्थान पर है। ऐसे में दोनों टीमों के लिए यह सीरीज अंक हासिल करने के लिहाज से अहम होगी। कुसल मंडिस (कप्तान), पथुम निसांका, पसिंदु सोरियाबंदारा, दिनेश चांदीमल, कामेंदु मंडिस, सोनल दिनुशा, धनंजय डी सिल्व्वा, अंजला बंडारा, केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, मिलन रथनायके, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो, दिलशान मधुशंका और ईशान मलिंगा।

हांगकांग सिक्सेस के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, क्रिस ग्रीन बने कप्तान

30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होगा टूर्नामेंट

भारत और पाकिस्तान भी एक ही ग्रुप में शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने हांगकांग सिक्सेस 2026 टूर्नामेंट के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी क्रिस ग्रीन को सौंपी गई है। इस टूर्नामेंट में छह ओवर के मुकाबलों के दौरान बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का मौका मिलता है, जिससे चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिलती है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन के अलावा जैक वुड और मैक्स ब्रायंट दिलाई है।

गया है। ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप-ए में रखा गया है, जहां उसका सामना इंग्लैंड और हांगकांग की टीमों से होगा। हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। इसमें कुल 12 टीमों हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत और पाकिस्तान को ग्रुप-सी में रखा गया है, जहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तीसरी टीम है। भारतीय टीम की कप्तानी भुवनेश्वर कुमार करेंगे। क्रिकेट हांगकांग के मार्केटिंग और कमर्शियल निदेशक अनुराग भटनागर ने ऑस्ट्रेलिया की भागीदारी पर खुशी जताई। भारत में टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग फैनकोड पर उपलब्ध रहेगी।

शुभमन गिल पांचवीं बार बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

मैंस कैटेगरी में सबसे ज्यादा बार पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बने गिल

शेफाली ने सितंबर में बल्ले और गेंद से किया शानदार प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को सितंबर 2026 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। उन्होंने पांचवीं बार यह पुरस्कार जीतकर पुरुष खिलाड़ियों में नया रिकॉर्ड बनाया है। इस उपलब्धि के साथ गिल पुरुष क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस पुरस्कार की दौड़ में उन्होंने भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को पीछे छोड़ दिया। वहीं, महिला कैटेगरी



में भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को सितंबर महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने अपनी साथी खिलाड़ी श्री चरणी और श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू को पछाड़कर यह सम्मान हासिल किया। गिल ने सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दो मुकाबलों में कुल 333 रन बनाए। पहले वनडे में गिल ने 110 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि दूसरे मुकाबले में

उन्होंने 133 गेंदों पर 223 रन बनाए। उनकी इस पारी में शानदार बल्लेबाजी देखने को मिली। लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर गिल ने यह पुरस्कार अपने नाम किया और भारतीय क्रिकेट में अपनी उपलब्धियों की सूची में एक और रिकॉर्ड जोड़ लिया। महिला क्रिकेट में शेफाली वर्मा ने भी बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सितंबर के दौरान 360 रन बनाने के साथ छह विकेट भी हासिल किए।

महिला एशिया कप में शेफाली सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। इसके अलावा, एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 100 रन की पारी खेली। फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ भी उन्होंने 48 रन बनाकर भारतीय टीम की जीत में अहम योगदान दिया। आईसीसी ने साल 2021 में प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की शुरुआत की थी। गिल इससे पहले भी कई बार यह सम्मान जीत चुके हैं। पांचवीं बार पुरस्कार हासिल करके उन्होंने पुरुष खिलाड़ियों में अपनी बादशाहत साबित की है। दूसरी ओर, शेफाली वर्मा ने दूसरी बार यह अवॉर्ड जीता है। इससे पहले उन्हें नवंबर 2025 में इस पुरस्कार के लिए चुना गया था। दोनों भारतीय खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन को एक बार फिर पहचान दिलाई है।

रामलीला चंदे के विवाद में दो सगे कारोबारी भाइयों समेत तीन की हत्या

लाठी-डंडों और गोलियों से हमला, एक घायल बरेली में भर्ती

20-22 लाख के चंदे को लेकर था विवाद

यूनिक समय, पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के अमरिया कस्बे में रामलीला कमेटी के चंदे के विवाद में खूनी संघर्ष हो गया। सोमवार रात हुई मारपीट और अंधाधुंध फायरिंग में दो सगे कारोबारी भाइयों समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। बेटों को खोने वाली मां नन्ही देवी ने रोते हुए कहा कि उन्हें हत्यारों का खून चाहिए। पुलिस के अनुसार, रामलीला कमेटी में चंदे के



फायरिंग में राहगीर की भी गई जान, आठ लोग हिरासत में मां बोली-हत्यारों का खून चाहिए

करीब 20 से 22 लाख रुपये के हिसाब को लेकर दोनों पक्षों में लंबे समय से विवाद चल रहा था। नौ अक्टूबर को हुई कमेटी की बैठक में

चार साल के चंदे का हिसाब मांगने पर बहस हुई थी। सोमवार शाम एक कार्यक्रम में भी दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए थे। उस समय लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया। रात करीब 9:30 बजे कारोबारी भाई मोहित गुप्ता (38) और अंकित गुप्ता (30) अपने साथियों के साथ दूसरे पक्ष के घर पहुंचे। वहां कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। आरोप है

कि इसी दौरान लाठी-डंडों और हॉकी से हमला किया गया तथा लाइसेंसी राइफल और तमंचे से फायरिंग की गई। गोली लगने से मोहित, अंकित, उनके रिश्तेदार रोज गुप्ता (20) और वहां से गुजर रहे कुणाल श्रीवास्तव (18) घायल हो गए। अस्पताल में अंकित और कुणाल को मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल मोहित ने बरेली में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। रोज गुप्ता का इलाज चल रहा है। एसपी सुकीर्ति माधव मिश्रा के मुताबिक, मुख्य आरोपी कौशल गुप्ता समेत आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने लाइसेंसी राइफल, अवैध तमंचा और लाठी-डंडे बरामद किए हैं। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। कस्बे में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है।

भाजपा प्रदेश मंत्री को बंधक बनाकर 12 लाख की लूट



मुंह पर टेप चिपकाकर बाथरूम में किया बंद सीसीटीवी में कैद हुए दो संदिग्ध

चार बीघे के फार्म हाउस में घुसे नकाबपोश, पुलिस जांच में जुटी

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में भाजपा पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश मंत्री रमेश यादव को बंधक बनाकर नकाबपोश बदमाश करीब 12 लाख रुपये के नकदी और जेवर लूट ले गए। सोमवार देर रात बदमाशों ने सेन पश्चिमपारा थाना क्षेत्र के न्योरी स्थित उनके फार्म हाउस में वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने मंत्री के हाथ-पैर बांधकर मुंह पर टेप चिपका दिया और उन्हें बाथरूम में बंद कर फरार हो गए। रमेश यादव के मुताबिक, सोमवार रात वह फार्म हाउस में अकेले थे। उनके अनुसार, रात करीब 11 बजे के बाद दो बदमाश

अंदर पहुंचे और सीने पर तमंचा लगाकर दो करोड़ रुपये की मांग की। बदमाशों ने कहा कि वे उन्हें मारने नहीं आए हैं, बल्कि परेशान हैं। इसके बाद आरोपियों ने लॉकर से करीब आठ से नौ लाख रुपये, सोने की चेन, अंगूठी और घड़ी ले ली। वारदात के बाद उनके हाथ-पैर बांधकर बाथरूम में बंद कर दिया। किसी तरह टेप हटकर उन्होंने गार्ड को फोन किया, जिसके बाद उन्हें बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर एडिशनल पुलिस कमिश्नर डॉ. विपिन ताड़ा और डीसीपी दीपेन्द्रनाथ चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फार्म हाउस में 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। पुलिस के मुताबिक, भागते समय दो संदिग्ध कैमरे में दिखाई दिए। डॉंग स्कवायड और फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल की जांच की। पुलिस फार्म हाउस में आने-जाने वालों की भूमिका खंगाल रही है और दो संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जल्द खुलासा का प्रयास किया जा रहा है।

सुरक्षित यूपी ने बदली प्रदेश की पहचान बेटियों और व्यापारियों को सुरक्षा का भरोसा बरेली में सीएम ने कानून-व्यवस्था में बदलाव का किया दावा अपराधियों में कानून का भय जरूरी बताया

यूनिक समय, बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षित उत्तर प्रदेश ने देश और दुनिया में प्रदेश की पहचान बदल दी है। अब बेटियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा है। लोगों को विश्वास है कि उनकी सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और डबल इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश की छवि बदलने में सफलता मिली है। सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले कुछ लोगों की गलतियों का खामियाजा प्रदेश के करीब 25 करोड़ लोगों को भुगतना पड़ता था। युवाओं, बेटियों और व्यापारियों पर इसका असर पड़ता था और प्रदेश के बाहर लोगों को अपनी पहचान छिपानी पड़ती थी। अब उत्तर प्रदेश को



लेकर पहले की तरह सवाल नहीं उठाए जाते। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों का आत्मविश्वास तभी बढ़ता है, जब उन्हें अपनी सुरक्षा का भरोसा होता है। उन्होंने पुलिस व्यवस्था में बदलाव के साथ होमगार्ड, पीआरडी जवानों, ग्राम चौकीदारों और ग्राम प्रहरियों को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं देने पर जोर दिया। उन्होंने ग्राम प्रहरियों की भूमिका की तुलना शहरों में लगे सीसीटीवी कैमरों से करते हुए पंचायतों में भी कैमरे लगाने और संदिग्ध गतिविधियों की पहचान के लिए तकनीक व एआई के इस्तेमाल की बात कही। योगी ने ग्राम प्रहरियों के मानदेय का जिक्र करते हुए बताया कि 2019 में इसे 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये किया गया था। उन्होंने कहा कि कानून का भय जरूरी है, ताकि अपराधी बेटियों, गरीबों और कमजोर वर्गों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न करें।

सर्वोदय विद्यालयों के मेधावी छात्रों को मिलेगी मुफ्त जेईई-नीट कोचिंग दक्षणा फाउंडेशन की चयन परीक्षा से होगा विद्यार्थियों का चयन परिवार की आय और 10वीं के अंकों के आधार पर तय होगी पात्रता

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में पढ़ने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। कक्षा 12 विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं को इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक साल तक निशुल्क जेईई या नीट कोचिंग मिलेगी। दक्षणा फाउंडेशन की संयुक्त दक्षणा चयन परीक्षा (जेडीएसटी-2027) के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को पुणे के निकट स्थित दक्षणा वैली परिसर में कोचिंग दी जाएगी। यहां उनके रहने और भोजन की व्यवस्था भी पूरी तरह निशुल्क होगी। शैक्षिक सत्र 2026-27 में कक्षा 12 विज्ञान वर्ग में पढ़ रहे और मई 2027 तक बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले



विद्यार्थी निर्धारित पात्रता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। इंजीनियरिंग वर्ग में सामान्य श्रेणी के छात्रों के लिए कक्षा 10 में गणित और विज्ञान में निर्धारित कटऑफ 85 प्रतिशत, जबकि छात्राओं के लिए 80 प्रतिशत है। अन्य आरक्षित श्रेणियों और दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग मानक तय किए गए हैं। मेडिकल वर्ग में सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए कटऑफ 80 प्रतिशत, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस के लिए 75 प्रतिशत तथा एससी-एसटी के लिए 65 प्रतिशत निर्धारित है। योजना के तहत छात्रों के परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपये और छात्राओं के परिवार की आय पांच लाख रुपये से कम होनी चाहिए। समाज कल्याण विभाग ने सर्वोदय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को पात्र विद्यार्थियों को योजना की जानकारी देकर आवेदन के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं।

आगरा में आलू-चावल खाने के बाद परिवार के पांच लोग अचेत

किरावली में फूड पॉइजनिंग की आशंका चार अन्य की हालत गंभीर, जयपुर रेफर किए जाने की जानकारी

यूनिक समय, आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के किरावली कस्बे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की अचानक तबीयत बिगड़ने से हड़कंप मच गया। सोमवार सुबह सभी घर में अचेत अवस्था में मिले। उन्हें पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) किरावली ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान पांच वर्षीय जीशान उर्फ गोलू की मौत



हो गई, जबकि परिवार के चार अन्य सदस्यों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, किरावली थाने के वार्ड नंबर 10 में रहने वाले हुसैन पुत्र नूरखान मूल रूप से राजस्थान के धंतूरी महोआ के निवासी हैं। वह अपनी ससुराल में किराए के मकान में परिवार के साथ रहते हैं और मजदूरी करके गुजारा करते हैं। बताया गया कि रविवार रात परिवार के सदस्य पास के मोहल्ले में जागरण देखने गए थे। वहां

से लौटने के बाद उन्होंने घर में चावल, आलू की सब्जी और चाय का सेवन किया था। इसके बाद सभी सो गए। सोमवार सुबह काफी देर तक परिवार के सदस्य नहीं जागे तो पड़ोसियों को चिंता हुई। उन्होंने घर जाकर देखा तो परिवार के पांचों सदस्य अचेत अवस्था में पड़े थे। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। परिजन सभी को बाइक की ट्रॉली में लेकर सीएचसी किरावली पहुंचे। वहां डॉक्टरों

ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए एंबुलेंस से आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज भेज दिया। इलाज के दौरान पांच वर्षीय जीशान उर्फ गोलू ने दम तोड़ दिया। परिवार के बाकी चार सदस्यों की हालत भी गंभीर बताई गई है। किरावली के एमओआईसी डॉ. रघुवेंद्र सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला फूड पॉइजनिंग का प्रतीत हो रहा है। मृतक के मामा नोशाद और गुलाब साय के अनुसार, गंभीर रूप से बीमार चार सदस्यों को बेहतर उपचार के लिए जयपुर रेफर किया गया है। बच्चे के शव को राजस्थान के धंतूरी महोआ ले जाया गया है। घटना के बाद परिवार के घर पर ताला लगा हुआ है। सूचना मिलने पर किरावली चौकी इंचार्ज अनुराग मौके पर पहुंचे और पड़ोसियों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

ग्रेटर नोएडा के बाजार में ताबड़तोड़ फायरिंग, युवक की हत्या

जहांगीरपुर में दिनदहाड़े हुई वारदात से दहशत

दो आरोपी गिरफ्तार और चार शूटरों की तलाश में जुटी पुलिस

यूनिक समय, ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के जेवर थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर बाजार में चार दिन पहले हुई युवक की हत्या का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। दिनदहाड़े बाजार में हुई इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वीडियो में युवक अपनी जान बचाने के लिए भागता दिखाई दे रहा है, जबकि हमलावर उसका पीछा करते नजर आते हैं। बदमाशों ने युवक को पकड़कर उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। बताया गया है कि छह गोलियां लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद



आरोपी बिना नंबर प्लेट की बाइक घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्थानीय व्यापारियों और लोगों में भय और गुस्सा है। व्यस्त बाजार में हुई इस हत्या ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हालांकि, वारदात में शामिल बताया जा रहे चार अन्य शूटर अब भी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। दिनदहाड़े हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में असुरक्षा की भावना बनी हुई है।

यूपी में 2 करोड़ से ज्यादा वोटर्स के नामों की दोबारा जांच, छूटे मतदाताओं को मिलेगा मौका

एसआईआर-2026 के बाद चुनाव आयोग चलाएगा विशेष अभियान

बीएलओ घर-घर जाकर करेंगे सत्यापन

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के बाद दो करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम कटने के मामले में चुनाव आयोग दोबारा जांच कराएगा। इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर उन लोगों की मौजूदा स्थिति का सत्यापन करेंगे, जिनके नाम पुरानी

मतदाता सूची में दर्ज थे, लेकिन नई सूची में नहीं हैं। एसआईआर से पहले प्रदेश की मतदाता सूची में करीब 15.44 करोड़ मतदाता दर्ज थे। पुनरीक्षण के बाद दो करोड़ से अधिक नाम कम हुए थे। इन मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरी प्रविष्टि वाली (एसएडीडी) श्रेणी में रखा गया था। अब पुरानी और नई मतदाता सूचियों का मिलान कर पात्र मतदाताओं की पहचान की जाएगी। संबंधित सूची राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ भी साझा की जाएगी। अभियान के दौरान पहली बार वोट बनने वाले युवाओं और अन्य पात्र नागरिकों के नाम भी जोड़े जाएंगे। इसके लिए फॉर्म-6 भरवाया जाएगा।

चाय पर जुटा विपक्ष, राहुल गांधी ने नेताओं को भेजा न्योता

एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर विपक्ष का प्रदर्शन

8 दिनों में पांच बार सड़कों पर उतरे नेता

यूनिक समय, नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक और केंद्र सरकार के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। दिल्ली में विपक्षी नेताओं के प्रदर्शन को लेकर पुलिस ने चार एफआईआर दर्ज की हैं। ये मामले कर्नाट प्लेस, तिलक मार्ग, बाराखंबा और मंदिर मार्ग पुलिस थानों में दर्ज किए गए हैं। इस बीच लोकसभा



में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार शाम 4 बजे विपक्षी नेताओं को अपने आवास पर हाई टी के लिए आमंत्रित किया है। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि चाय के बाद सभी नेता मीडिया के सामने अपनी बात रखेंगे। विपक्षी नेता इस दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस भी कर सकते हैं। सोमवार को विपक्षी सांसदों ने दिल्ली के बाराखंबा रोड से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च

निकाला था। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव समेत 11 दलों के नेता शामिल हुए। विपक्ष ने एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दाखिल की है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को अलग-अलग मौकों पर हिरासत में लिया था।

विपक्ष ने 6, 7, 8, 9 और 12 अक्टूबर को प्रदर्शन किए। इन प्रदर्शनों में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और बहाल करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस विवाद के बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्ति जताई। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने मतदाता सूची, फॉर्म-6 में बदलाव, चुनावी डेटा और सॉफ्टवेयर तक पहुंच जैसे मुद्दों पर सवाल उठाए थे। हालांकि, इन मुद्दों पर अंतिम स्थिति और आगे की कार्रवाई को लेकर संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आना बाकी है।

सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को राहत मानहानि केस के ट्रायल पर रोक

राफेल सौदे पर टिप्पणी से जुड़ा है मामला

अदालत ने चार सप्ताह में जवाब देने का दिया निर्देश

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में शीर्ष अदालत ने निचली अदालत में चल रहे ट्रायल पर फिलहाल रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया और चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। यह मामला साल 2018 में राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर राहुल गांधी की कथित टिप्पणियों से जुड़ा है। आरोप है कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस बयान को लेकर उनके



खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई गई थी। राहुल गांधी की टिप्पणी के बाद राजनीतिक विवाद भी खड़ा हुआ था और बीजेपी ने इसका विरोध किया था। इस बीच, राहुल गांधी ने इंडिया ब्लॉक के सांसदों और सिविल सोसायटी के लोगों को अपने आवास पर चाय के लिए आमंत्रित किया है। इससे पहले विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च किया था और मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपने की योजना बनाई थी, लेकिन सीजेआई ने मिलने में असमर्थता जताई थी। वहीं, विपक्षी दल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी सरकार और चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर मुहम्मद यूनस का विरोध, लगे 'आतंकवादी' के नारे

बांग्लादेशी प्रवासियों ने हजारों लोगों की मौत और लोकतंत्र खत्म करने के लगाए आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व अंतरिम सरकार के प्रमुख और नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनस को न्यूयॉर्क के जेएफके एयरपोर्ट पर विरोध का सामना करना पड़ा। सोमवार को हुई इस घटना में कुछ बांग्लादेशी प्रवासियों ने उन्हें आतंकवादी बताते हुए वापस लौटने के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने यूनस पर बांग्लादेश में हजारों लोगों की मौत का ज़िम्मेदार होने का आरोप भी लगाया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यूनस व्हीलचेयर पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान कुछ लोग उनके पास पहुंचकर चिल्लाने लगे। वीडियो में एक व्यक्ति को कहते सुना जा सकता है, 'तुम आतंकवादी हो, यहां क्यों आए? वापस जाओ।' प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यूनस के कार्यकाल में हजारों लोगों की हत्या हुई, पुलिसकर्मियों की जान गई और करीब दो लाख लोगों



को गिरफ्तार कराया गया। उन्होंने यूनस पर लोकतंत्र को नष्ट करने का भी आरोप लगाया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। घटना के दौरान यूनस शांत दिखाई दिए और व्हीलचेयर पर आगे बढ़ते रहे। सुरक्षा कारणों से उन्हें जल्द ही एयरपोर्ट से बाहर ले जाया गया। अब तक यूनस या उनके प्रतिनिधियों की ओर से इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंतरिम सरकार छोड़ने के बाद यह यूनस की पहली विदेश यात्रा थी। कुछ रिपोर्टों में विरोध करने वालों को अवामी लीग से जुड़ा बताया गया है, लेकिन उनकी पहचान की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यह घटना बांग्लादेश की राजनीतिक परिस्थितियों और प्रवासी समुदाय में यूनस के कार्यकाल को लेकर मौजूद असंतोष को सामने लाती है।

जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने का फैसला, सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

दिल्ली पुलिस के आदेश पर उठे सवाल

रामलीला मैदान समेत तीन नए स्थलों पर भी जताई गई आपत्ति

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के प्रमुख प्रदर्शन स्थल जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने के दिल्ली पुलिस के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस संबंध में पहले से लंबित एक याचिका में अर्जी दाखिल कर पुलिस के नए आदेश पर सवाल उठाए गए हैं। अर्जी में प्रदर्शन के लिए निर्धारित तीन नए स्थलों को लेकर भी आपत्तियां जताई गई हैं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने 11 अक्टूबर को आदेश जारी कर जंतर-मंतर की जगह तीन नए प्रदर्शन स्थल निर्धारित किए थे। इनमें रामलीला मैदान, बुगड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी ग्राउंड शामिल हैं। अब इस फैसले की वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। अर्जी में अदालत से



आदेश और नए प्रदर्शन स्थलों को लेकर उठाई गई आपत्तियों पर विचार करने की मांग की गई है। जंतर-मंतर लंबे समय से राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न समूहों के विरोध-प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र रहा है। कॉंग्रेस जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास ने भी इस फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे मनमाना बताया। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर भारत के लोगों का है और फैसला लेने से पहले गृह मंत्रालय ने लोगों, संगठनों या अन्य हितधारकों से सलाह नहीं ली। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर यह आदेश जारी किया था। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में मामले की आगे की सुनवाई और संभावित आदेश को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

आईआईटी बॉम्बे के साहिल ने नकल पर मांगी माफी, दूसरे मौके की लगाई गुहार

18 सितंबर को हॉस्टल में मृत मिला था 22 वर्षीय छात्र

जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न के आरोपों की जांच जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे ने परीक्षा में नकल करते हुए पकड़े जाने के बाद संस्थान को लिखित माफी दी थी। पुलिस के मुताबिक, साहिल ने अपने बयान में स्वीकार किया था कि उसने परीक्षा की अच्छी तैयारी नहीं की थी। उसने अपनी गलती मानते हुए दूसरा मौका देने की अपील भी की थी। 22 वर्षीय साहिल 18 सितंबर को अपने हॉस्टल के कमरे



में मृत मिला था। साहिल एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक सेकेंड ईयर का छात्र था। घटना से कुछ घंटे पहले वह मिड-सेमेस्टर परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन के साथ पकड़ा गया था। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक,

प्रोफेसर सूर्यनारायण दुल्ला ने उससे मोबाइल और आंसर शीट ली थी, जिसके बाद वह परीक्षा हॉल से बाहर चला गया। क्राइम ब्रांच इस मामले की जांच कर रही है और अब तक आईआईटी बॉम्बे के निदेशक

शिरीष केदारें तथा प्रोफेसर समेत 40 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। साहिल के पिता रवींद्र ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे को संस्थान में जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था। उनकी शिकायत पर पुलिस ने प्रोफेसर दुल्ला के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। हालांकि, प्रोफेसर ने आरोपों से इनकार किया है। आईआईटी बॉम्बे ने मामले की जांच के लिए 10 सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति बनाई है। साहिल की मौत के बाद छात्रों ने प्रदर्शन कर स्वतंत्र जांच और मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार समेत 18 मांगें रखी थीं। मामले में जांच जारी है।

पाकिस्तान में बड़ा रेल हादसा 5 की मौत, 30 से ज्यादा घायल



मुल्तान में पटरी से उतरी रेहमान बाबा एक्सप्रेस

13 कोच खाली कराए गए

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार सुबह बड़ा रेल हादसा हो गया। कराची से पेशावर जा रही रेहमान बाबा एक्सप्रेस मुल्तान में शेर शाह ब्रिज के पास पटरी से उतर गई। सुबह करीब 5:15 बजे हुए इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव अभियान शुरू किया गया। पुलिस और बचाव अधिकारियों के मुताबिक, घायलों को इलाज के लिए मुल्तान के निशतर अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटनाग्रस्त

ट्रेन के 13 कोच खाली करा लिए गए, जबकि एक कोच में बचाव कार्य जारी रहा। अधिकारियों ने घटनास्थल पर यात्रियों को निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने का काम किया। एक यात्री ने दावा किया कि हादसे से पहले रोहरी के पास कर्मचारियों ने ट्रेन के नौवें कोच के नट-बोल्ट की मरम्मत की थी। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि मरम्मत का हादसे से कोई संबंध था या नहीं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने और घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल ट्रेन के पटरी से उतरने की आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है। हादसे ने पाकिस्तान के रेल नेटवर्क की सुरक्षा और रखरखाव पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारतीय सेना को 450 नागास्त्र ड्रोन की मिली बड़ी ताकत

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय सेना की ताकत में और इजाफा होने जा रहा है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएल) ने सेना को 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग म्यूनिशन की आपूर्ति की है। कंपनी के मुताबिक, यह भारतीय सेना को एक बार में दी गई इस तरह के ड्रोन की अब तक की सबसे बड़ी खेप है। सेना ने इनकी खरीद इमरजेंसी प्रोक्योरमेंट के तहत की थी। नागास्त्र-1आर को सेना की जरूरतों के मुताबिक तैयार किया गया है। इसका इस्तेमाल कम दूरी के सैन्य अभियानों में सटीक हमले के

लिए किया जा सकता है। यह कामकाज ड्रोन की तरह लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम है। इसकी खासियत यह भी है कि मिशन रद्द होने की स्थिति में इसे वापस बुलाकर सुरक्षित हासिल किया जा सकता है। कंपनी के मुताबिक, इसके मूल संस्करण में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल हुआ है। आधुनिक युद्ध में ड्रोन की बढ़ती भूमिका के बीच यह प्रणाली भारतीय सेना की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

अग्रसेन जयंती पर निकाली कलश यात्रा, 41 महिलाओं ने लिया भाग



अग्रसेन जयंती पर निकाली गई कलश यात्रा में शामिल महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। श्री महाराजा अग्रसेन सेवा समिति की ओर से महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के अंतर्गत भव्य कलश यात्रा निकाली गई। गोविंद नगर स्थित समिति अध्यक्ष सुभाष सिक्का के

पुष्पवर्षा कर किया स्वागत, अग्रसेन चौक पर आरती के बाद हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

निवास से शुरू हुई यात्रा में 41 महिलाओं ने कलश धारण कर भाग लिया। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। समिति सदस्यों ने महिलाओं को उपहार भी

भेंट किए।

यात्रा का समापन अग्रसेन चौक पर महाराजा अग्रसेन की आरती और माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद श्री रमनलाल शोरावाला नेत्र चिकित्सालय परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया और अतिथियों का सम्मान किया गया। संचालन समिति महामंत्री अनिल अग्रवाल प्रेस वाले ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री रविकांत गर्ग रहे। समिति के आय-व्यय निरीक्षक हर्ष वर्धन मंगल ने आयोजन की जानकारी दी। इस अवसर पर उपाध्यक्ष शंकर लाल, दुर्गेश बिंदल, कोषाध्यक्ष बृज बिहारी गुड्डा, मंत्री केशव देव, प्रचार मंत्री अतुल मुंशी पन्ना और रामप्रकाश प्रेस वाले सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नेत्र चिकित्सा शिविर में 160 रोगियों की जांच, दवाएं और चश्मे बांटे



शिविर में नेत्र परीक्षण करती चिकित्सक, साथ है आयोजक।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीजी सेवा समिति की ओर से गोवर्धन चौराहा स्थित एक होटल में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया। डॉ. श्रॉफ आई केयर इंस्टीट्यूट वृंदावन के विशेषज्ञ चिकित्सकों और पैरामेडिकल टीम ने करीब 160 नेत्र रोगियों की जांच की। मरीजों को निशुल्क दवाएं, चश्मे और आवश्यक परामर्श दिया गया।

सुबह 10 से दोपहर तीन बजे तक चले शिविर में बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और साधु-संतों ने नेत्र परीक्षण कराया। वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई। मोतियाबिंद की जांच कर मरीजों को उचित परामर्श भी दिया गया। डॉ. निष्कर्ष बंसल और उनकी टीम ने रोगियों का परीक्षण किया। शिविर में सौरव बंसल की ओर से निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। कोषाध्यक्ष

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिया निशुल्क परामर्श

बृजमोहन गुप्ता, सचिव नितेश खंडेलवाल, सहसचिव तेज मानिक और लक्ष्मी नारायण के सहयोग से चश्मे वितरित किए गए।

शिविर शुभारंभ पर समिति संस्थापक अंशुल अग्रवाल ने डॉ. निष्कर्ष बंसल को पटका पहनाकर और बुके भेंट कर सम्मानित किया। टीम के सदस्यों का भी स्वागत किया गया। समिति अध्यक्ष श्वेता अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से संस्था लगातार कल्याणकारी गतिविधियां संचालित कर रही है। शिविर संचालन में उपसचिव सुरेंद्र कौशिक और जितेंद्र पटेल का सहयोग रहा। इस अवसर पर सोनल अग्रवाल, सीमा गुप्ता, भुवनेश सिंघल और कृष्ण गोपाल उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय विज्ञान मेले में छात्राओं ने लहराया परचम



क्षेत्रीय विज्ञान मेला में विजयी छात्राओं के साथ प्रधानाचार्य डा. नीता सिंह और आचार्य।

यूनिक समय, मथुरा। रुद्रपुर में नौ से 11 अक्टूबर तक आयोजित क्षेत्रीय विज्ञान मेला प्रतियोगिता में विद्या भारती के विद्यालयों की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में रतन लाल फूल कटोरी देवी विद्या मंदिर की मिष्टी पालीवाल ने किशोर वर्ग की मॉडल स्पर्धा में और बाल वर्ग में आर्यिका सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी जगह सुनिश्चित की।

बाल वर्ग की मॉडल प्रतियोगिता में मणिकर्णिका सिंह और दिवंकल पोनिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, शिशु वर्ग की मॉडल प्रतियोगिता में तनवी

तीन छात्राओं ने प्रथम स्थान पाकर अखिल भारतीय प्रतियोगिता में बनाई जगह

चौधरी, गौरी शर्मा और खुशबू ने तृतीय स्थान हासिल किया। छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्य डॉ. नीता सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम और निरंतर अभ्यास से सफलता के शिखर तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वरिष्ठ आचार्य ममता जैन, उमा और पूनम मिश्रा को भी बधाई दी।

अग्रसेन जयंती पर प्रतियोगिताओं में दिखी प्रतिभा



कार्यक्रम के दौरान पाक कला प्रतियोगिता में मौजूद अग्रसमाज की महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रवाल सभा महिला समिति की ओर से अग्रसेन जयंती महोत्सव के प्रथम दिन बच्चों, बालिकाओं और महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। रंग भरे, चश्मा सजाओ, कैप सजाओ, हेयर एक्सेसरीज बनाओ और कच्चे केले से व्यंजन बनाने की

प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा दिखाई।

समिति अध्यक्ष रेणु अग्रवाल और आयोजन में कक्षा एक से आठ तक के बच्चों ने रंगों और सजावट के जरिए अपनी रचनात्मकता दिखाई। वहीं महिलाओं और बड़ी बालिकाओं ने

हेयर एक्सेसरीज बनाने और कच्चे केले से अलग-अलग व्यंजन तैयार करने में हुनर दिखाया।

संयोजिका आशा अग्रवाल और मीरा अग्रवाल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य बच्चों और महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना है।

बच्चों ने रंग भरे महिलाओं ने दिखाई पाककला और हुनर की झलक

प्रतियोगिताओं में मोनम अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संगीता, सोनिका और शिखा बंसल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। सुमन अग्रवाल, गुंजन अग्रवाल, पारुल अग्रवाल, अनीता गर्ग और रचना अग्रवाल ने प्रायोजक एवं सहयोगी के रूप में योगदान दिया। आयोजन को सफल बनाने में अलका अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, सुनीता दानी, जूली अग्रवाल और सुधा अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

गाड़ी धोने में करंट लगने से युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। रिजर्व पुलिस लाइन में गाड़ी धोने के दौरान सबमर्सिबल के पाइप में आए करंट के कारण एक युवक की मौत हो गई। बताया गया कि पुलिस लाइन में तैनात अरमोर सतीशचंद का पुत्र राहुल (35) अपनी गाड़ी को धोने के लिए कल पुलिस लाइन में एमटी शाखा में लगे सबमर्सिबल पर ले गया था। बताया गया कि गाड़ी को धोने के लिए उसने जैसे ही गाड़ी को धोना शुरू किया। इसी बीच पाइप में आता करंट युवक को लगा और उसकी मौत हो गई। इस घटना से पुलिस लाइन में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस अधीक्षक/सीओ सिटी आशना चौधरी ने बताया कि इस मामले कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आज हुई होमगार्ड्स चरित्र जांच, होगा मेडिकल

यूनिक समय, मथुरा। होमगार्ड भर्ती में कल से शुरू होगा होमगार्ड्स का चिकित्सीय परीक्षण-चरित्र सत्यापन कार्य का आज पुलिस लाइन में निरीक्षण किया गया। हेल्प डेस्क पर तैनात कर्मियों को अभ्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए।

अग्रसेन जयंती पर 250 नेत्र रोगियों का निशुल्क परीक्षण



नेत्र शिविर के दौरान नेत्र रोगियों को फल वितरित करती अग्र समाज की महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की ओर से महाराजा अग्रसेन जयंती पर गोवर्धन रोड स्थित कल्याण करोति नेत्र चिकित्सालय में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर लगाया गया। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 250 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया, मरीजों को फल वितरित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय संरक्षक अजयकांत गर्ग, मुख्य अतिथि सुनील शर्मा और जिलाध्यक्ष धीरज गोयल सहित अन्य पदाधिकारियों ने महाराजा अग्रसेन और भगवान गणेश के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। शिविर में स्व. कुसुमलता अग्रवाल की स्मृति में उनके पति विजय अग्रवाल मालावालों के सौजन्य से मरीजों की निशुल्क जांच कराई गई। सुनील शर्मा ने शिविर की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता बताई।

कल्याण करोति नेत्र चिकित्सालय में लगाया शिविर, मरीजों को बांटे फल

राष्ट्रीय संरक्षक अजयकांत गर्ग ने कहा कि जरूरत पड़ने पर संस्था की ओर से मरीजों के ऑपरेशन भी निशुल्क कराए जाएंगे। जिलाध्यक्ष धीरज गोयल ने महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत 'एक रुपया, एक ईंट' का उल्लेख करते हुए समाजबंधुओं से इस नीति पर चलने का आह्वान किया।

कल्याण करोति के सहसचिव निरूपम भार्गव ने संस्था के पदाधिकारियों का पटका पहनाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि को महानगर महामंत्री संतोष सिंघल ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर निखिल जैन, योगेश अग्रवाल, गिरधारी गर्ग, बबीता अग्रवाल, निकिता गर्ग, रेखा सिंघल और राधिका अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

इनरव्हील मथुरा वेस्ट ने छह बालिकाओं को दिए स्पोर्ट्स शूज



बालिकाओं को स्पोर्ट्स शूज भेंट करती इनरव्हील मथुरा वेस्ट की सदस्य।

यूनिक समय, मथुरा। इनरव्हील मथुरा वेस्ट की ओर से फिट गर्ल प्रोजेक्ट के तहत स्कूल जाने वाली छह बालिकाओं को स्पोर्ट्स शूज भेंट किए गए। पहल का उद्देश्य बालिकाओं में शारीरिक फिटनेस, आत्मविश्वास और खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना है। इस अवसर पर बच्चों को इसोटिक, पेन, ब्रिस्कट और अन्य खाद्य सामग्री भी वितरित की गई।

संस्था की इस पहल का मकसद बालिकाओं के स्वास्थ्य, खुशहाली और सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में अध्यक्ष समता भल्ला, सचिव राज भाटिया, कोषाध्यक्ष अंजू गुप्ता, सीजीआर इंजीनियर गरिमा साहू, आईएसओ डॉ. अंजू राठौर, संपादक रश्मि द्विवेदी सहित संस्था की अन्य सदस्य उपस्थित रही।